जिनके जेब से राममंदिर निर्माण.. 04

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से... 11

वर्ष - 02, अंक - 122 | गाजियाबाद / मंगलवार 04 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

कहा-राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे,दीपके बोले-स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। इससे पहले, सूरत

के एक सीजेपी कार्यकर्ता ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि दीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए। **दीपके बोले-जंतर-मंतर पर घुसपैठिए घुसे**- अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी। दीपके ने गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी और पुलिस कार्रवाई कैसे हो सकती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या पुलिस केवल 12 साल की लड़कियों पर लाठी चलाने के लिए सक्रिय होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का यह कहना कि विरोध स्थल पर 2100 अपराधी देखे गए थे, यह अमित शाह और पुलिस की विफलता है। उन्होंने इसे पुलिस की सोची-समझी साजिश करार दिया।

स्टूडेंट्स की लीगल मदद के लिए फंड बनाया- कॉकरोच जनता पार्टी ने 27 जुलाई को पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी सहायता के लिए लीगल डिफेंस फंड बनाने की घोषणा की थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस फंड में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस कोष में योगदान देने की अपील की थी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा था कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस मामले में सीजेपी सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के संपर्क में है। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

एक ही शिफ्ट में होगा पेपर,घर के पास सेंटर

- नीट पीजी,पेपर लीक से सबक,7.5 करोड़ का टेंडर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नीट पीजी 2026 परीक्षा के लिए कई बड़े सुधारों की घोषणा की है। इसमें परीक्षार्थियों की यात्रा और परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार परीक्षा 30 अगस्त को होनी है। इसके लिए 2.73 लाख उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जो पिछले साल की तुलना में 12.5 फीसदी ज्यादा है। परीक्षा देशभर के 340 शहरों के लगभग 1300 सेंटर्स पर होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक से सबक लेते हुए परीक्षा के पूरे इकोसिस्टम की सुरक्षा पुख्ता करना शुरू कर

दिया है। इसके लिए 7.5 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसमें एनटीए मुख्यालय समेत संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सिक्योरिटी दी जाएगी। यह टेंडर 25 जुलाई को जारी हुआ है। 17 अगस्त को बोलियां खोली जाएंगी। जो भी एजेंसी नियुक्त होगी, उसे दो साल काम मिलेगा। **फिंगर प्रिंट नहीं मिले तो आंखें स्कैन कर देंगे एंट्री**- आवेदन और एग्जाम के दिन 'आधार' आधारित वैरिफिकेशन होगा। बायोमीट्रिक जांच होगी। इसके लिए छात्रों को 2-3 घंटे पहले सेंटर पहुंचना होगा। फिंगरप्रिंट न मिलने पर आईरिस (आंखों की पुतली) स्कैन की जाएगी। 60,000 से ज्यादा कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी, सिग्नल जैमर और स्वतंत्र पर्यवेक्षक लाइव निगरानी करेंगे। परीक्षा के कुल 210 मिनट को अलग-अलग सेक्शन में बांटा है।

जहां भिड़े थे भारतीय-चीनी सैनिक अब वहां तक पहुंचेगी भारतीय रेल

- बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू

17 किमी लंबे नेटवर्क से कनेक्टिविटी को मिलेगा बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इस कड़ी में उत्तर बंगाल क्षेत्र में चालसा के पास स्थित खुनिया मोड़ से जलढाका रेलवे प्रोजेक्ट के जरिए भारत-चीन-भूटान ट्राई-जंक्शन के पास बॉर्डर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह प्रोजेक्ट नॉर्थ बंगाल में 17 किलोमीटर का नया स्ट्रेटेजिक रेल लिंक है, जिसकी अनुमानित लागत 272 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद डुआर्स इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

प्रोजेक्ट में खर्च होंगे 272 करोड़ रुपये - सिलीगुड़ी के डीएम राजू बिस्टा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रेल मंत्रालय ने जलढाका तक 17 किमी की नई लाइन के लिए लगभग 272 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह रास्ता चालसा के पास खुनिया मोड़ से शुरू होगा और जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग फॉरेस्ट डिवीजन से होकर गुजरेगा। जलढाका नदी के रास्ते बनने वाली रेलवे लाइन बहुत अहम है।

जंतर-मंतर वाले प्रदर्शन में स्टूडेंट्स पर नहीं होगा केस

- सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने कर दिया बड़ा दावा

कहा-2700 अपराधियों पर कायम रहेगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।' मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार अपने वादे पर कायम है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जवानों को बख्शा नहीं जाएगा।

विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका

- बिहार में नितिन नवीन की सीट पर भाजपा की हार
- एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात में बीजेपी जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर सीट (पटना) पर बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर अब जन सुराज ने कब्जा कर लिया है। प्रशांत किशोर ने बीजेपी के गढ़ में नीरज कुमार सिन्हा को करारी शिकस्त दे डाली है। इस सीट पर लंबे समय से बीजेपी का वर्चस्व रहा था। लेकिन इस बार पीके के मैदान में उतरने के बाद से सारा पासा ही पलट गया।

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात के मंजलपुर में भाजपा जीत गई है। एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए।

वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

पहली ही परीक्षा में फेल हुए खंडेलवाल

एमपी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा दतिया विधानसभा उपचुनाव मानी जा रही थी। इस चुनाव में भाजपा की हार के बाद संगठन की रणनीति, टिकट चयन और नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सरकार के बहुमत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन राजनीतिक संदेश को लेकर यह परिणाम अहम माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल में दतिया विधानसभा उपचुनाव पहला बड़ा प्रत्यक्ष चुनाव था। इस चुनाव को संगठन और सरकार, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा था। मतगणना के रुझानों और परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह बढ़त बनाते हुए जीत की ओर बढ़े, जबकि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी पीछे रह गए। दतिया में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला चुनाव का सबसे बड़ा दांव साबित हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान संगठन ने नाराज कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मनाने की कोशिश की थी।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में

बृजभूषण सिंह बरी

- बोले-होइहि सोइ जो राम रचि राखा,समर्थकों ने फूल बरसाए
- विनेश फोगाट बोलीं-मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे।

यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया था।

- **मामले में 127 सुनवाई हुई, 32 गवाहों के बयान दर्ज हुए**- 2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुई। 32 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। कोर्ट से बरी का मतलब है कि कोर्ट में अभियुक्त के खिलाफ आरोप साबित नहीं पाए, इसलिए उसे सजा नहीं दी गई। इसका यह मतलब नहीं होता कि वह दोषमुक्त हो गया है। पीड़ित महिला पहलवान इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं। इसके लिए 60 दिन के अंदर उन्हें हाईकोर्ट से विशेष अनुमति लेनी होती है। अनुमति मिलने पर वे याचिका दायर कर सकती हैं। सामान्य रूप से आवेदन और याचिका एकसाथ दायर कर दी जाती हैं।
- **फैसले के बाद बृजभूषण बोले- कभी खुद को दोषी नहीं माना**- फैसले के बाद बृजभूषण जब अपने आवास पहुंचे तो समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा- मैंने कभी खुद को दोषी नहीं माना। हम जूनियर खिलाड़ियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे। संघर्ष से हमेशा निखार ही आता है। इस केस से यह बात साबित हो गई है।

पंजाब चुनाव से पहले बीजेपी ने कर दिया नई टीम का ऐलान

- कांग्रेस-आप और अकाली दल से आए नेताओं को अहम जिम्मेदारियां

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए बीजेपी ने पनी नई प्रदेश संगठनात्मक टीम की घोषणा कर दी। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने नई कार्यकारिणी का ऐलान किया। इस कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, पांच महासचिव और 12 सचिव नियुक्त किए गए हैं। खास बात यह रही कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए कई नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई टीम में बनाए गए 12 प्रदेश उपाध्यक्षों में से 6 ऐसे नेता हैं जो पहले अन्य राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं। इनमें कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्वनी सेखरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव तेजिंदर सिंह बिट्टू, पूर्व सांसद सुशील रिंकू, कांग्रेस के पूर्व

पदाधिकारी गेज्जा राम वाल्मीकि, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व नेता रवि करण सिंह काहलों और रंजीत सिंह गिल शामिल हैं। सुशील रिंकू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को भी स्थान मिला है।

ईरान में भारत के अगले राजदूत होंगे विश्वेश नेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे लगातार संकट के बीच विश्वेश नेगी को ईरान में भारत के अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विश्वेश नेगी वर्तमान में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव के रूप में सेवा दे रहे थे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। यह नियुक्ति पश्चिम एशिया के साथ भारत के राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर सरकार के लगातार ध्यान को दर्शाती है; यह क्षेत्र रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में संकट की स्थिति बनी हुई है। इंडियन फॉरेन सर्विस 2002 बैच के सीनियर अधिकारी विश्वेश नेगी अपनी नई भूमिका में डिप्लोमैटिक और एडमिनिस्ट्रेटिव का लंबा अनुभव लेकर आए हैं। विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी के तौर पर, उन्होंने विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों और द्विपक्षीय संबंधों को संभालने में कई बार अहम भूमिका निभाई है। विश्वेश नेगी 2022 में भारत सरकार के रक्षा विभाग में पदस्थ थे।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में भक्तों का रेला

- हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे देश के शिवालय
- हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सावन के पहले सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके थे। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी रही। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ में भीड़ रही।

अलवर में पांडवों का लाया शिवलिंग, इसे औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया

मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने द्वापर युग में की थी। काशी से शिवलिंग लाकर इस मंदिर में स्थापित किया गया था। तभी से मंदिर में शिवलिंग की पूजा होती है। पांडवों के समय से ही मंदिर में अखंड ज्योत जलती है। सावन के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करने से पहले मंगला आरती में हिस्सा लिया। वाराणसी डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर और मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों में हुए दो आतंकी हमले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 दिनों के भीतर दो स्थानों पर हुए आतंकी हमलों में सुरक्षाबल के एक जवान और छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों समेत तीन लोगों की जान चली गई। कुलगाम में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों की हत्या के पीछे सुरक्षाबलों को एक ही बचे स्थानीय आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट का हाथ होने का संदेह है। सुरक्षा रिकॉर्ड के अनुसार, घाटी में अब लतीफ भट ही एकमात्र जीवित स्थानीय आतंकी बचा है, जो कुलगाम का ही रहने वाला है। इसके अलावा अमरनाथ यात्रा के दौरान 22 जुलाई को एक हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सीआरपीएफ और पुलिस फाइलों में खूंखार आतंकी के रूप में दर्ज भट के अलावा घाटी में 40 से 50 पाकिस्तानी यानी विदेशी आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है। सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि घाटी में स्थानीय आतंकवाद अब समाप्ति के कगार पर है। पांच साल पहले जांच में 50 से 60 स्थानीय आतंकियों के होने का पता चला था, जो पिछले साल मई तक घटकर 17 रह गए थे। एनआईए और सुरक्षा एजेंसियों की लगातार सख्ती, नार्को टेररिज्म पर कार्रवाई और आतंकी फंडिंग की कमर तोड़े जाने से अब पाकिस्तानी आतंकी स्थानीय युवाओं को बरगलाने में नाकाम साबित हो रहे हैं, जिससे नई भर्तियों पर पूरी तरह रोक लग गई है। अधिकारियों के अनुसार, बीते 8 जुलाई को अनंतनाग में चलाए गए एक संयुक्त ऑपरेशन शेरोवाली के दौरान लश्कर आतंकी जाकिर अहमद गनेई मारा गया था, जबकि उसका साथी लतीफ भट भागने में सफल रहा। गनेई और भट दोनों कुलगाम के ही निवासी थे और अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। 22 जुलाई को हुई हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की शहादत और प्रवासी मजदूरों की हत्या के तरीकों में गहरी समानताएं पाई गई हैं। दोनों घटनाओं में हमलावरों ने टोपी पहन रखी थी और उनके हाथों में गनी बैग देखा गया था। भट ने वर्ष 2025 में घर छोड़कर केआरए का दामन थामा था, जो लश्कर और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़ा संगठन है। फिलहाल सुरक्षाबल इस अंतिम स्थानीय आतंकी का सफाया करने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

पुंछ में दो जंग लगे मोर्टार गोले बरामद, सेना ने सुरक्षित उड़ाया

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में दो गांवों से जंग लगे दो मोर्टार गोले बरामद हुए, जिन्हें सेना के बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से नष्ट किया। अधिकारियों ने बताया कि पहला गोला मनकोट क्षेत्र में छज्जला पुल के पास खुले मैदान में ग्रामीणों को मिला। तुरंत पुलिस और सुरक्षा बलों को सूचित किया गया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इसके बाद सेना के बम निरोधक दस्ते ने सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। वहीं, दूसरा निष्क्रिय मोर्टार गोला मेंढर नाले के पास अधकी गांव के खेतों में मिला, जिसे विशेषज्ञों ने सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों का अनुमान है कि ये विस्फोटक संभवतः नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पहले हुई सीमा-पार गोलाबारी के दौरान फटे नहीं और निष्क्रिय पड़े रहे है।

असम में किशोरी से बर्बरता-रेप के बाद हत्या, इलाका स्तब्ध

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में 15 वर्षीय किशोरी की बर्बरतापूर्ण हत्या ने पूरे इलाके को स्तब्ध किया है। अलोईचारा इलाके में हुई यह दिल दहला देने वाली घटना तब हुई, जब बच्ची घर पर अकेली थी। परिजनों ने दावा किया है कि हमलावरों ने हत्या से पहले बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी बेरहमी से जान ले ली। इस खौफनाक वारदात ने लोगों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। जब परिजन पास के रिश्तेदार के घर एक दावत से देर रात लौटे, तब उन्होंने अपने कमरे के फर्श पर अपनी बेटी का क्षत-विक्षत शव पड़ा देखा। बच्ची की हालत इतनी भयानक थी कि पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। दरिंदों ने बच्ची का सिर और चेहरा किसी भारी वस्तु से पूरी तरह कुचल दिया था। इसके साथ ही, हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड डाल दी गई थी, जिससे परिवार और पूरा समाज सदमे में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बच्ची शनिवार रात करीब 11 बजे अपने एक कजिन भाई से किसी बात पर बहस होने के बाद दावत छोड़कर अकेली अपने घर वापस आ गई थी। इसी बीच यह अमानवीय घटना घटित हुई। इस जघन्य अपराध के बाद पूरे हैलाकांडी जिले में तनाव का माहौल है। रविवार सुबह सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित ग्रामीणों और प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाइवे (एनएच-6) पर सड़क जाम कर दिया। वे दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें फांसी की सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

कंगना रनौत का नया वीडियो : हां, मुझे संघी बनना है

-इंडस्ट्री की दोहरी सोच पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने हाल ही में वीडियो साझा कर अपने आलोचकों को जवाब दिया है। वीडियो में कंगना ने स्पष्ट कहा है कि हां, मुझे संघी बनना है और उन्हें बीजेपी व आरएसएस की विचारधारा से प्रेरित जागरूक हिंदू बनने की इच्छा है। अपनी पुरानी छवि पर उठते सवालों का जवाब देकर कंगना

ने कहा कि वे कभी मॉडरेट हिंदू थीं, लेकिन अब जागरूक हिंदू बनना चाहती हैं। आलोचकों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, मुझपर तंज किया जाता है कि तुम कब से संघी बन गई? हां, मुझे संघी बनना है।मुझे कन्वर्ट होना है। मैं क्यों नहीं कन्वर्ट हो सकती? उन्होंने पुराने वीडियो को लेकर हो रही आलोचनाओं पर भी जवाब दिया, यह कहते हुए कि उन्हें अपनी पहचान बदलने का पूरा हक है। वीडियो में कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री की हिंदू अभिनेत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कई हिंदू लड़कियां पहले राजनीति या धर्म को लेकर तटस्थ रहती हैं, लेकिन जैसे ही वे किसी इस्लामी के साथ रिश्ते में आती हैं, उनकी सोच कट्टरपंथी लेफ्टिस्ट बन जाती है। कंगना ने ऐसी सोच को दोगला बताकर सवाल किया कि जब संविधान सबको अपनी पसंद का धर्म या विचारधारा चुनने की आजादी देता है, तब हिंदू लड़कियों के चुनाव पर सवाल क्यों उठते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंगना ने यह तंज कथित तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पर कसा है, जिन्होंने बीते दिनों सीजेपी आंदोलन का समर्थन किया था। इससे पहले कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिना नाम लिए सोनाक्षी सिन्हा पर भी हमला बोला था।

दिल्ली के बाद अब झारखंड में जंतर-मंतर जैसी लामबंदी

छात्रों का अनिश्चितकालीन अनशन और मशाल जुलूस

रांची (एजेंसी)। दिल्ली में भले ही छात्र आंदोलन शांत हो गया हो, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों का गुस्सा अब जंतर-मंतर जैसी लामबंदी का रूप ले चुका है। कचहरी चौक स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एकजुट हो रहे हैं। जेपीएससी और जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले जारी इस आंदोलन को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सोनम वांगचुक के अनशन की तर्ज पर अब छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

रविवार को दिनभर चले प्रदर्शन के बाद शाम को बड़ी संख्या में छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी छात्र हाथों में मशालें थामे और शरीर पर बैनर-पोस्टर चिपकाए हुए थे। पूरे रास्ते छात्रों ने परीक्षाओं में हो रही धांधली के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। छात्रों का सीधा आरोप है कि राज्य सरकार लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। छात्रों की मुख्य मांग है कि जिन जेएसएससी परीक्षाओं पर अनियमितता और गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, उन्हें तत्काल रद्द किया जाए। इसके अलावा टीडीपीएल कंपनी, अभय तिवारी और विवादित एजेंसियों से जुड़े परीक्षा मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए। साथ ही 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पूरी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सत्याग्रह के नौवें दिन अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि विवादित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे अभ्यर्थियों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र हितों को लेकर राज्य सरकार की मंशा में खोट है। देवेंद्र ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह सत्याग्रह और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

हिंदू संगठन ने सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंका, सदस्यता खत्म करने की मांग

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पुतले फूंके गए। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन ने संसद परिसर में साधु-संतों और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनकी सदस्यता खत्म करने और गिरफ्तारी की मांग की। इस मांग को लेकर डीएम के जरिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव ने भगवान राम की तस्वीर और सनातन का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संगठन डीएम को ज्ञापन देने के साथ जल्द ही थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग करेगा।

दो साल बाद सार्वजनिक रूप से सामने आएंगी शेख हसीना

-5 अगस्त को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगभग दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से दुनिया के सामने आने जा रही हैं। वह 5 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया के सर मार्क टुली ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाली एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगी। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से 7-30 बजे तक चलेगा और इसे क्लब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा। यह तारीख इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ठीक दो साल पहले, 5 अगस्त 2024 को देशव्यापी हिंसक छात्र आंदोलन के बीच उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भारत शरण लेनी पड़ी थी।

इस बहुप्रतीक्षित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना द्वारा अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन, अपनी सरकार के पतन और बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर खुलकर विचार व्यक्त करने की संभावना है। इसके साथ ही वह वर्तमान बांग्लादेश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना दिसंबर 2026 के आसपास अपनी स्वेच्छा से बांग्लादेश वापस लौटने की भावी योजनाओं का खुलासा कर सकती हैं, जहाँ वह अदालत के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी पार्टी अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंधों को कानूनी रूप से चुनौती देने की रणनीति साझा करेंगी।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को लाखों प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने के बाद सैन्य सलाह पर इस्तीफा देकर शेख हसीना अपनी बहन शेख रेहाना के साथ सैन्य विमान से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंची थीं और तब से वे भारत में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं। इस बीच, बांग्लादेश के युद्ध अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी, जिसे शेख हसीना ने पूरी तरह असंवैधानिक और राजनीति से प्रेरित करार देकर खारिज कर दिया है। बांग्लादेश सरकार द्वारा भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी की गई है, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय द्विपक्षीय कानूनी संधियों के तहत समीक्षा कर रहा है। दो साल के मौन के बाद होने जा रही शेख हसीना की इस पहली सार्वजनिक उपस्थिति और प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखने के लिए उत्सुक है कि वह बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट, अपनी स्वदेश वापसी और अपने भावी राजनीतिक कदमों को लेकर क्या नया संदेश देती हैं।

आईजी एसटीएफ और डीआईजी कानून व्यवस्था ने कांवड़ मेले की सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कांवड़ मेला-2026 के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए पुलिस मुख्यालय से पुलिस महानिरीक्षक एसटीएफ निलेश आनंद भरणे और पुलिस उपमहानिरीक्षक कानून व्यवस्था धीरेंद्र सिंह गुंज्याल सोमवार को हरिद्वार पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों के साथ चंडी चौक, शंकराचार्य चौक, बैरागी कैंप पार्किंग, हरकी पैड़ी सहित विभिन्न प्रमुख स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिवभक्तों को फल एवं अल्पाहार वितरित कर उनकी मंगलमय यात्रा की कामना भी की। इसके बाद दोनों

वरिष्ठ अधिकारी मेला नियंत्रण कक्ष पहुंचे, जहां उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी की। मेला नियंत्रण कक्ष में सुपर जोनल और जोनल अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि छोटी से छोटी घटना का भी तत्काल मौके पर पहुंचकर निस्तारण किया जाए तथा सोशल मीडिया पर चौबीसों घंटे सतर्क निगरानी रखी जाए। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक जोन और सेक्टर में सक्षम पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है तथा पुलिस मुख्यालय स्तर से कांवड़ मेले की लगातार निगरानी की जा रही है। आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिक बल के जवानों तथा विशेष पुलिस अधिकारियों को मैन ऑफ द डे सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक सीएम डीके शिवकुमार पर साधा निशाना

-कावेरी जल विवाद पर बातचीत टली

चेन्नई (एजेंसी)। कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच सीधी बातचीत के जरिए समाधान की कोशिश अब तीखी राजनीतिक बहसबाजी में बदल गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय द्वारा कर्नाटक के साथ सीधे संवाद की पहल टलने के बाद, तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ मंत्री और प्रमुख प्रवक्ता आर निर्मल कुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार अपनी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की सुनने के बजाय तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के इशारों पर काम कर रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में निर्मल कुमार ने कहा कि अगर स्टालिन या उनका परिवार कुछ कहता है, तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री उसे तुरंत मान लेते हैं, क्योंकि दोनों के बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है।

मंत्री का यह बयान सरकार का आधिकारिक रुख माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि तमिलनाडु सरकार अब आपसी बातचीत को विकल्प नहीं मान रही है और कावेरी जल विवाद का निपटारा एक बार फिर अदालतों तथा ट्रिब्यूनल के फैसलों पर ही निर्भर रहेगा। दरअसल, पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री विजय ने कावेरी मुद्दे पर शिवकुमार से मुलाकात की पेशकश की थी। हालांकि, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के खिलाफ कर्नाटक में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। टीवीके के रणनीतिकारों का मानना है कि बातचीत की इस पहल से सरकार को कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, इसलिए अब सॉफ्ट अप्रोच छोड़कर आक्रामक रुख अपनाने का फैसला किया गया है। निर्मल कुमार ने मुख्य विपक्षी दलों डीएमके और एआईएडीएमके की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि बीते 5 वर्षों में सत्ता में रहते हुए डीएमके ने कावेरी मुद्दे पर प्रभावी कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए।

क्या है विवाद?

कावेरी नदी के जल बंटवारे की शर्तें दोनों राज्यों के बीच पहले से तय हैं, लेकिन कम बारिश के कारण उत्पन्न जल संकट की वजह से कर्नाटक तय हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जता रहा है। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार मेकेदातू में बेंगलुरु के लिए पेयजल आपूर्ति हेतु विशाल बांध बनाना चाहती है। तमिलनाडु इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहा है, क्योंकि उसका मानना है कि बांध बनने से नदी के निचले हिस्से में पानी का प्रवाह कर्नाटक के नियंत्रण में आ जाएगा, जिससे तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों की आजीविका और खेती पूरी तरह तबाह हो जाएगी।

सपा का राम मंदिर चढ़ावा, नीट लीक और अन्य मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने विधान भवन परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक सहित कई गंभीर मुद्दों पर योगी सरकार की घेराबंदी की।

विधानसभा में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में सपा सदस्यों ने तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान, सपा सदस्यों ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, बीते दस वर्षों में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों को बंद करने, नीट पेपर लीक, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कुछ सदस्यों ने विरोध के प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर 'चंदा पेटिका' लिखे दानपात्र भी रखे थे।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने आरोप लगाया कि बीजेपी की ''डबल इंजन'' सरकार ने प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किए हैं, जिससे 18 हजार बेटियों को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी है। उन्होंने भाजपा पर केवल ''जुमलेबाजी'' करने और लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सपा विधायक अतुल प्रधान ने भाजपा पर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसा ''पाप'' करने का आरोप लगाकर कहा कि एसआईटी रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सिर पर दानपात्र रखे प्रधान ने कहा, ''आज हम यहां चंदा चोरों के खिलाफ अभियान लेकर आए हैं।'' इस दौरान ''चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो'' के नारे लगाए गए।

सपा सदस्य कमाल अख्तर ने बेरोजगारी, लगातार प्रश्नपत्र लीक होने, किसानों को खाद न मिलने, राज्य में बाढ़ के गंभीर हालात और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दों को उठाया। उन्होंने सरकार पर जनता और विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सत्र की अवधि कम करने का आरोप लगाया। तीन से छह अगस्त तक चलने वाले इस सत्र को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संभवतः अंतिम सत्र माना जा रहा है, जिसमें सरकार चार अगस्त को पहला अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी।

सावन के प्रथम सोमवार पर दक्षेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे जिलाधिकारी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सावन के प्रथम सोमवार पर दक्षेश्वर महादेव मंदिर में उमड़े शिवभक्तों के बीच जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवार को कांवड़ मेले की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, बैरिकेडिंग, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सेवाओं तथा श्रद्धालुओं के सुचारु एवं पंक्तिबद्ध दर्शन की व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सावन के प्रथम सोमवार पर श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रहती है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी सतर्कता, समन्वय और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ मेला पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके बाद जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अपने परिवार के साथ दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक

एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जनपद की सुख-समृद्धि, प्रदेशवासियों के कल्याण तथा कांवड़ मेला-2026 के सकुशल संपन्न होने की कामना की।
निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में मौजूद शिवभक्तों को फल और पेयजल वितरित कर उनका स्वागत किया तथा श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने, प्रशासन का सहयोग करने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की। इस दौरान प्रशासन, पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा बढ़ी, अब बुलेटप्रूफ वाहन का करेंगे इस्तेमाल

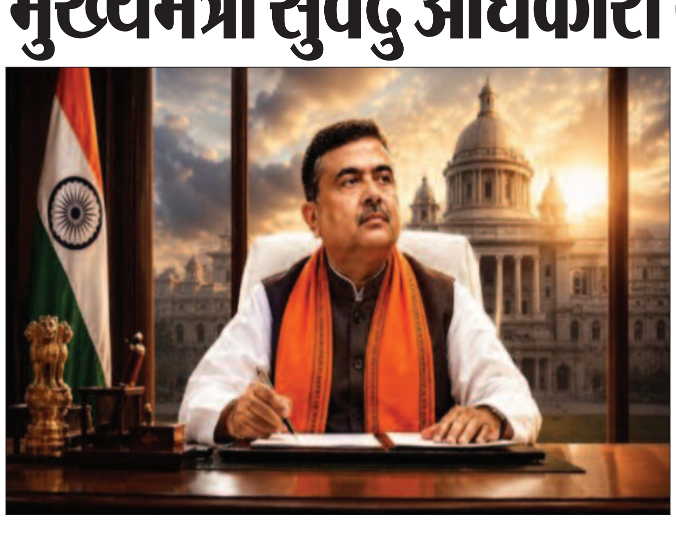

-जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

-मुख्यमंत्री की गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज बरामद होने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित खतरे की सूचना और हाल ही में हुई गिरफ्तारियों के बाद मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित रूप से उपयोग शुरू कर दिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जुड़े सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

एसटीएफ ने हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों के पाकिस्तान स्थित कथित आतंकी-अपराधी नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) से भी संबंध होने की बात सामने आई है। हमीम मंडल को पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान उसके पास से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के दैनिक कार्यक्रम और आवाजाही से जुड़े कुछ दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार शाम से नई बुलेटप्रूफ गाड़ी का उपयोग शुरू कर दिया। उन्होंने पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी स्थित अपने पैतृक निवास से कोलकाता तक की यात्रा इसी वाहन से की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही उनके काफिले में एक बुलेटप्रूफ वाहन शामिल कर दिया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री आम लोगों से सहज संपर्क बनाए रखने के उद्देश्य से सामान्य वाहन में यात्रा करना अधिक पसंद करते थे। लेकिन मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित उपयोग करने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि 6 मई को मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनकी कार को रोककर नजदीक से फायरिंग की थी, जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने की सिफारिश की थी।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण: आरडीसी में जाम और पार्किंग व्यवस्था सुधारने की तैयारी, उपाध्यक्ष ने मांगी एक सप्ताह में कार्ययोजना

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे जाम, अव्यवस्थित पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या को खत्म करने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कमर कस ली है। जीडीए उपाध्यक्ष ने सचिव, विशेष कार्याधिकारी और अभियंत्रण टीम के साथ आरडीसी क्षेत्र का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने पूरे आरडीसी क्षेत्र में यातायात की स्थिति, पार्किंग, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का बारीकी से आकलन किया।

प्रमुख बिंदु एवं दिए गए निर्देश

■ वैज्ञानिक तरीके से बनेगी नई पार्किंग योजना:
क्षेत्र में लगातार लगने वाले जाम और अनियोजित पार्किंग पर उपाध्यक्ष ने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने सड़कों पर खड़े वाहनों और अव्यवस्थित गतिविधियों को ट्रैफिक बाधित होने का मुख्य कारण बताया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उपलब्ध स्थानों का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग करते हुए पार्किंग व्यवस्था का पुनर्गठन किया जाए और जाम से स्थायी मुक्ति के लिए ठोस योजना बनाई जाए।

■ व्हीकल-फ्री जोन का प्रभावी संचालन:
निरीक्षण के दौरान व्हीकल-फ्री जोन की स्थिति को भी देखा गया।

उपाध्यक्ष ने कहा कि इसे इसके मूल उद्देश्य के अनुसार विकसित किया जाए, ताकि आम नागरिकों के लिए यह स्थान पूरी तरह सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बन सके।

■ खराब स्ट्रीट लाइटें होंगी ठीक:
क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेते हुए उपाध्यक्ष ने सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को तुरंत ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात के समय नागरिकों की सुरक्षा और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए पूरे आरडीसी में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण लाइटें सुनिश्चित की जाएं।

अतिक्रमण पर कड़ा रुख,
■ बनेगा वेंडिंग जोन:
अवैध रूप से चल रहे स्ट्रीट फूड और अस्थायी स्टॉलों पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि इनसे सड़कें संकरी होती हैं और गंदगी व जाम बढ़ता है। अवैध अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वैध दुकानदारों के लिए सुव्यवस्थित स्ट्रीट वेंडिंग जोन विकसित करने के निर्देश दिए गए।

■ स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन:
पूरे आरडीसी परिसर में नियमित साफ-सफाई, कूड़ा प्रबंधन और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

हिंट चौराहे के सौंदर्यीकरण
■ का काम जल्द होगा शुरू:
आरडीसी के पास स्थित हिंट चौराहे के अवलोकन के दौरान बताया गया कि यह चौराहा जीडीए की चौराहा सौंदर्यीकरण योजना में शामिल है और इसका टेंडर पूरा हो चुका है। उपाध्यक्ष ने इस प्रोजेक्ट का काम प्राथमिकता के आधार पर तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए ताकि ट्रैफिक मैनेजमेंट और खूबसूरती में सुधार हो सके।

एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट
निरीक्षण के अंत में उपाध्यक्ष ने सचिव और संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी बिंदुओं पर ठोस प्लान तैयार कर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरडीसी क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक शहरी मानकों के अनुरूप बनाने के लिए सभी कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

मधुबन बापूधाम योजना: 350 आवासीय भूखण्डों की ई-लॉटरी 19 व 20 अगस्त को, तैयारियां पूरी

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की मधुबन बापूधाम आवासीय योजना के अंतर्गत 350 आवासीय भूखण्डों के आवंटन के लिए ई-लॉटरी का आयोजन 19 और 20 अगस्त को किया जाएगा।

आवंटन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के उद्देश्य से जीडीए ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस योजना के लिए जनहित पोर्टल के माध्यम से 11 मई से 4 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के निस्तारण और भूखण्डों के आवंटन के लिए लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी। प्राधिकरण उपाध्यक्ष के निर्देश पर गठित विशेष समिति की देखरेख में दोनों दिन प्रातः 11:30 बजे से लॉटरी की कार्यवाही शुरू होगी।

श्रेणीवार ई-लॉटरी का कार्यक्रम:
- **19 अगस्त 2026: श्रेणी ए, बी, सी एवं डी के आवेदकों की लॉटरी।**
- **20 अगस्त 2026: श्रेणी एफ, जी, एच एवं आई के आवेदकों की लॉटरी।**

ई-लॉटरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए अपर सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। इसमें जिला प्रशासन, विद्युत विभाग, प्राधिकरण के मुख्य अभियंता, संबंधित जोन प्रभारी और मुख्य नगर नियोजक को सदस्य बनाया गया है।

आयोजन स्थल हिंदी भवन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति, साउंड सिस्टम, संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। जीडीए प्रशासन ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे लॉटरी से जुड़ी किसी भी जानकारी या परिणाम के लिए केवल प्राधिकरण के आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करें। पूरी प्रक्रिया कंप्यूटरीकृत होगी ताकि सभी पात्र आवेदकों को समान अवसर मिल सके।

कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का मंडलायुक्त और डीआईजी ने लिया जायजा, सुरक्षा व सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारु व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मंडलायुक्त भानुचंद्र गोस्वामी और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने सोमवार को गाजियाबाद सीमा स्थित निवाड़ी से लेकर मुजफ्फरनगर सीमा खतौली तक गंगनहर पटरी कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जानी पुल, भोला झाल, नानू पुल, दौराला पुल और सलावा झाल सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने भोला झाल स्थित पुलिस सहायता केंद्र एवं एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया तथा मार्ग में संचालित कांवड़ और चिकित्सा शिविरों में पहुंचकर श्रद्धालुओं से संवाद किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, पेयजल,

स्वच्छता, विद्युत सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी करें, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गश्त बढ़ाएं, संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखें तथा सभी निगरानी कैमरे और संचार उपकरण लगातार सक्रिय रखें। यातायात व्यवस्था, मार्ग परिवर्तन, बैरिकेडिंग और पुलिस सहायता केंद्रों की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। कलानिधि नैथानी ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक श्रद्धालु को समय पर सहायता उपलब्ध कराना सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है।

सावन के पहले सोमवार पर डीएम एसपी ने किया शिवालयों व कांवड़ मार्गों का निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। सावन माह के पहले सोमवार के अवसर पर जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जनपद के प्रमुख शिवालयों तथा कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही दोनों अधिकारियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर जनपदवासियों की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसरों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुरक्षा प्रबंध और यातायात व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन माह में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का महापर्व है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कांवड़ मार्गों पर सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि सावन माह और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल का 10वां कांवड़ सेवा शिविर शुरू, डीएम और एसपी ने किया शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार)। शहर के कैराना रोड स्थित ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल द्वारा आयोजित 10वें चिकित्सा एवं कांवड़ सेवा शिविर का सोमवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह तथा समाजसेवी जनेश्वर चौहान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। शिविर के पहले दिन हरिद्वार से लौट रहे बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ियों को चिकित्सा सुविधा, भोजन, विश्राम, फलाहार तथा मसाज मशीन के माध्यम से सेवा उपलब्ध कराई गई। श्रद्धालुओं ने शिविर की व्यवस्थाओं की सराहना की। शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार यादव ने कहा कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष लगाया जाने वाला यह सेवा शिविर भगवान शिव के प्रति आस्था और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने हॉस्पिटल के निदेशक कुशांक चौहान को शिवभक्तों की सेवा के लिए बधाई देते हुए सभी कांवड़ सेवा शिविर संचालकों से शासन की निर्धारित गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि शिविर में चिकित्सकों की टीम चौबीसों घंटे कांवड़ियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने श्रद्धालुओं से कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा ने किया। इस अवसर पर कुशांक चौहान, डॉ. बाबर, डॉ. अक्षय, डॉ. नदीम, विपिन चौहान, सुरेंद्र सिंह, अजय चौहान, नितिन चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध निमार्णों पर चला जीडीए का डंडा: मोरटा में प्रॉपर्टी सील, लोहियानगर में ध्वस्त किया अनाधिकृत निर्माण

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) उपाध्यक्ष के निदेशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन-03 की टीम ने सोमवार को अवैध निमार्णों और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस दौरान मोरटा में एक निर्माण को सील किया गया, वहीं लोहियानगर में अनाधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने भारी विरोध जताया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण अभियान को पूरा कराया।

प्रवर्तन जोन-03 की टीम का नेतृत्व राजीव अग्रवाल और सहायक अभियंताओं ने किया। कार्रवाई के तहत मेरठ रोड स्थित मोरटा के भूखंड संख्या-2 (खसरा संख्या-1275) पर किए जा रहे अनाधिकृत निर्माण को उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-28(1) के तहत सील बंद कर दिया गया। इसके अलावा, संजीव गर्ग (पुत्र दिनेश चंद्र गर्ग) द्वारा बी-12, लोहियानगर में किए गए अवैध निर्माण पर प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि कार्य रोको आदेश जारी होने के बावजूद कोई भी निर्माणकर्ता कार्य जारी रखता है, तो उसके खिलाफ धारा-27 व 28

के तहत सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-03 के सहायक व अवर अभियंता, समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि अवैध निमार्णों के खिलाफ यह सीलिंग और ध्वस्तीकरण अभियान आगामी महीनों में भी लगातार जारी रहेगा।

ग्रामीणों ने कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ कर शिवभक्तों की सेवा की

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान क्षेत्र के गांव अटेरना के ग्रामीणों ने मुजफ्फरनगर रोड स्थित खतौली तिराहे के समीप कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ कर शिवभक्तों का स्वागत किया। शिविर में कांवड़ियों के लिए प्रसाद, जलपान और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। सोमवार को कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण में रंगा नजर आया और "हर-हर महादेव" के जयघोष लगातार गूंजते रहे।

अटेरना गांव के ग्रामीणों ने भाकियू नेता अनुज बालियान, संजीव पंवार, मोनू ठाकुर और रविंद्र सैनी सहित अन्य लोगों के सहयोग से शिविर का संचालन शुरू किया। इस दौरान पूर्व प्रधान विकास त्यागी ने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करना पुण्य का

कार्य है और श्रावण मास में निस्वार्थ भाव से शिवभक्तों की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का सौभाग्य होना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

शिविर में पुरा महादेव मंदिर की ओर जा रहे शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं को हलवे का प्रसाद वितरित किया और उनकी सुविधा का पूरा ध्यान रखा। कांवड़ मार्ग पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सहायता में सक्रिय दिखाई दिए। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण बना रहा।

ऑपरेशन प्रहार : इंदिरापुरम पुलिस ने 1 गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत इंदिरापुरम थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 तस्कर को करीब 9 किलो 330 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। तस्कर दिल्ली से गांजा लाकर इंदिरापुरम क्षेत्र में छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर नशे के आदी लोगों को बेचता था।

बरामदगी के आधार पर तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रंजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया। तस्कर वर्तमान में शक्ति खंड-4 की झुग्गी-झोपड़ी में रहता है, जबकि उसका मूल निवास बिहार के जहानाबाद जनपद में है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 9.33 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में तस्कर ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली के आनंद विहार क्षेत्र से एक अज्ञात व्यक्ति से गांजा खरीदकर लाता था। इसके बाद वह उसे छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर इंदिरापुरम और आसपास के इलाकों में नशे के आदी लोगों को बेचता था। वह इस अवैध कारोबार से होने वाली कमाई से अपने और अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। पुलिस अब गांजा सप्लाई करने वाले नेटवर्क की भी जांच कर रही है, ताकि इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। इसके अलावा इसके आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है। सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यबली मौर्य ने बताया कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि कहीं मादक पदार्थों की बिक्री या तस्करी की सूचना मिले तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समाज को नशे के जाल से बचाया जा सके।

टीला मोड़ पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पदार्फाश, 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल और एक स्कूटी समेत कुल चार वाहन बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने नशे और मौज-मस्ती की लत पूरी करने के लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों से दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस उनके फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है। थाना टीला मोड़ पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कोयल एन्क्लेव मुख्य गेट के पास से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान शिवम उर्फ शुबम और जावेद के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल

और एक स्कूटी बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से दोपहिया वाहन चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों को सुनसान स्थानों अथवा झाड़ियों में छिपा देते थे और मौका मिलने पर उन्हें कम कीमत में बेच देते थे। बिक्री से मिली रकम को आपस में बांटकर नशे और अन्य शौक पूरे करते थे। उनका एक अन्य साथी रेहान भी वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल है, जो अभी फरार है। शिवम उर्फ राज अरोड़ा के खिलाफ चोरी, लूट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वहीं जावेद पर भी लूट की योजना, आर्म्स एक्ट, चोरी और अन्य संगीन अपराधों के मामले दर्ज है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य वारदातों के खुलासे की भी संभावना है। फरार आरोपी रेहान की गिरफ्तारी के बाद वाहन चोरी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से भी अपील कि वाहन पार्क करते समय सुरक्षा उपायों का विशेष ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

पूर्ति विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप, भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन ने सोमवार को पूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार को ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने आरोप लगाया कि नगीना तहसील के पूर्ति कार्यालय में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अवैध कमीशनखोरी हो रही है, जिससे किसानों और राशन विक्रेताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। तहसील अध्यक्ष गुरमेज सिंह उर्फ सोनू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तहसील मुख्यालय पहुंचे और अपनी विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में राशन विक्रेताओं के उत्पीड़न पर रोक लगाने, पूरे प्रकरण की किसी वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने तथा बिना ठोस शिकायत के राशन विक्रेताओं के खिलाफ की जा रही अनावश्यक जांचों को तत्काल बंद कराने की मांग की गई। साथ ही भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। भारतीय किसान यूनियन ने 'हर घर जल योजना' के अंतर्गत चल रहे कार्यों में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उनमें सुधार कराने की मांग की। एसडीएम ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री व सांसद का आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और स्थानीय सांसद से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो एवं तस्वीरें प्रसारित करने के आरोप में हल्दौर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इन पोस्टों से लोगों की भावनाएं आहत होने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के मद्देनजर कार्रवाई की गई है। आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री और स्थानीय सांसद से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री तेजी से प्रसारित हो रही थी। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने इसकी जांच शुरू की। जांच के

दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव नागल जट निवासी योगेंद्र चौधरी उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रसारित सामग्री से जनभावनाएं प्रभावित होने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका थी। इसी को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति, जनप्रतिनिधि या संवेदनशील विषय से संबंधित आपत्तिजनक अथवा भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

विश्व शांति एवं जनकल्याण के लिए 501 घंटे के अखंड महामृत्युंजय महायज्ञ का शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार)। शहर के करनाल रोड स्थित एमएस फार्म में नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में विश्व शांति एवं जनकल्याण की कामना के साथ 501 घंटे के अखंड द्वितीय महामृत्युंजय महायज्ञ का सोमवार को वैदिक विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। महायज्ञ में देवभूमि उत्तराखंड से आए विद्वान आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना और यज्ञ प्रारंभ कराया गया। आयोजन के दौरान सवा लाख महामृत्युंजय मंत्रों की पूणार्हुति तक दिन-रात अखंड रूप से यज्ञ चलता रहेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के चेयरमैन अरविंद संगल ने किया। महायज्ञ का संचालन आचार्य पंडित विपिन भारद्वाज के निर्देशन में हुआ। उन्होंने बताया कि यह आयोजन विश्व शांति, जनकल्याण और मानवता के मंगल की भावना से किया जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महामृत्युंजय महायज्ञ से अकाल मृत्यु के भय, गंभीर रोगों, ग्रह एवं वास्तु दोषों तथा नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति की कामना की जाती है। साथ ही परिवार और समाज में सुख, शांति, समृद्धि तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आचार्य विपिन भारद्वाज ने बताया कि लगभग 100 वर्ष पूर्व एक अघोरी संत द्वारा की गई भविष्यवाणी के आधार पर इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 501 घंटे तक निरंतर वैदिक मंत्रों के साथ लाखों आहुतियां यज्ञ में समर्पित की जाएंगी। इस अवसर पर अभिनव निर्वाल, प्रद्युमन गोयल, संजीव कश्यप, आकाश वर्मा, श्याम कुच्छल, विनीत लाठियान, रोहित राणा, मनीष निर्वाल, प्रदीप संगल, मयंक राठी, रोहित गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रोटरी क्लब समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएगा सेवा कार्य : अनिल कुमार गोयल

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। रोटरी क्लब खतौली ने वर्ष 2026-27 के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि सभी सदस्यों के सुझावों के आधार पर आगामी वर्ष की योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा कार्यों का लाभ पहुंचाना है और इसी लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर अभियान चलाए जाएंगे।

अनिल कुमार गोयल ने बताया कि क्लब समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान, जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री वितरण, महिला जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता सहित अनेक सामाजिक गतिविधियों का आयोजन करेगा। इसके साथ ही युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने और क्लब की सदस्यता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि सेवा कार्यों का दायरा और अधिक व्यापक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब खतौली लंबे समय से समाज के सहयोग से जनहित के कार्य करता आ रहा है और भविष्य में भी प्रशासन, सामाजिक संगठनों तथा नगरवासियों के सहयोग से सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से क्लब के सामाजिक अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

श्रावण मास में सुरक्षा के कड़े इंतजाम: नोएडा के प्रमुख मंदिरों का पुलिस ने किया निरीक्षण, संदिग्धों पर पैनी नजर

नोएडा (शिखर समाचार)। श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण धार्मिक आयोजनों को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पूरी तरह सतर्क है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर डीसीपी नोएडा साद मियां खान के निर्देशन एवं एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह के नेतृत्व में थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों, पूजा स्थलों तथा आसपास के संवेदनशील इलाकों का व्यापक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मंदिर परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं लावारिस वस्तुओं की गहन जांच कराई। पुलिस टीम ने सीमावर्ती क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात पुलिस द्वारा प्रमुख मार्गों पर यातायात का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

जिनके जेब से राममंदिर निर्माण के लिए एक पैसा नहीं निकला, वे लोग कर रहे चंदा चोरी की बात: मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले सोमवार को पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने गरीब, युवा, महिला व किसान के मुद्दे पर विपक्ष को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि ये सभी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता में हैं। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी पर भी विरोधी दलों के नेताओं पर सवालिया निशाना खड़ा करते हुए कहा कि जो लोग अयोध्या के मुद्दे को उठा रहे हैं, उन्होंने जयश्रीराम बोलने पर रामभक्तों पर लाठी-गोली चलवाई थी। राम मंदिर के खिलाफ न्यायालय में वकीलों की फौज खड़ी करके इसे बाधित करने का कुत्सित प्रयास किया। राम मंदिर में चंदा चोरी की बात वे लोग कर रहे हैं, जिनके जेब से मंदिर निर्माण के लिए एक पैसा भी नहीं निकला। देश-दुनिया इनका दोहरे चरित्र देख रही है।

एक-डेढ़ सप्ताह में आउटसोर्स कमीशन, तय होगा न्यूनतम मानदेय

सीएम ने बड़ी घोषणा की कि सरकार एक-डेढ़ सप्ताह में आउटसोर्स कमीशन को लागू करने के साथ ही न्यूनतम मानदेय सुनिश्चित करने जा रही है। आंगनवाड़ी व आशा कार्यकताओं, रसोइयों व ग्राम चौकी-दारों को भी उचित मानदेय प्राप्त हो और उनकी सेवाएं प्रदेश के हित को संवर्धित करने के लिए कार्य करें, इसके लिए अनुपूरक बजट का सहारा लिया गया है।

किसानों को असुरक्षित करने वालों का दोहरा चरित्र सामने

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जिन लोगों के समय में किसानों के हितों पर कुठाराघात हुआ, जिन्होंने किसानों को खेत के लिए पानी नहीं दिया। उनके हक पर बिचौलियों का वर्चस्व स्थापित कराया और किसानों को असुरक्षित करते हुए उनके जीवन में बदहाली लाने का पाप किया। ऐसे दोहरे चरित्र वाले लोग आज किसान की बात करके उनके जले पर नमक छिड़क रहे हैं। पीएम मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जिसके तहत यूपी में 24 लाख हेक्टेयर भूमि में अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा दी गई, समेत कई योजनाएं चल रही हैं। किसान अब तीन-चार फसलें लगा रहा है। पैक हाउस के माध्यम से औद्यानिक फसलों का विभिन्न देशों में निर्यात हो रहा है।

खाद की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश

सीएम ने किसानों के मुद्दे पर सपा को घेरा और अपनी सरकार में गन्ना किसानों के लाभों को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि 2007 से 2017 के बीच 29 चीनी मिलें बंद हुईं, 21 चीनी मिलें औने-पौने दाम पर बेच दी गईं, लेकिन हमारी सरकार में 3.23 लाख करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान हुआ है। 122 में से 105 से अधिक चीनी मिलें चौथे-पांचवें दिन ही किसानों के खाते में गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। समाजवादी पार्टी के समय में 10 वर्ष का गन्ना मूल्य बकाया था। ये लोग किसानों के हितों का संरक्षण करने के बजाय उन्हें आत्महत्या और पलायन के लिए मजबूर करते थे। उस समय किसानों के ट्यूबवेल तक सुरक्षित नहीं थे। सरकार आज 16 लाख ट्यूबवेल को निशुल्क बिजली उपलब्ध करा रही है। कुछ जगहों पर पोर्टल की तकनीकी समस्या आई थी, लेकिन विभाग को किसानों के लिए खाद की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है।

नकारात्मकता की राजनीति त्यागें विपक्ष के साथी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सत्र हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सदन के समय का बेहतर उपयोग हो। उम्मीद जताई कि प्रदेश के हित और 25 करोड़ आमजन के विकास के लिए विधानमंडल की कार्यवाही को शांतिपूर्ण ढंग से चलाने के लिए विपक्ष के साथी नकारात्मकता की राजनीति को छोड़कर प्रदेश के विकास व समृद्धि में योगदान देंगे। सीएम ने कहा कि विधायिका आमजन की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम होती है। संसदीय प्रणाली में विधायिका गरीब, किसान, युवा और महिला से जुड़े मुद्दों पर चर्चा, समीक्षा और परिणाम तक पहुंचाने का सबसे अच्छा प्लेटफॉर्म है। हर जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्या को रखकर सरकार से समाधान का रास्ता निकलवा सकता है। इस प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग हो, यह भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार की सदैव प्राथमिकता रही है।

संवाद से ही सरकार कर सकी बेहतर काम

सीएम ने कहा कि 9 वर्ष में संवाद और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा करने के उपरांत बनी योजनाओं के माध्यम से ही सरकार बेहतर काम कर सकी है। इससे उत्तर प्रदेश के प्रति धारणा बदलने के साथ ही इसे बीमारू राज्य से उबारकर रेवेन्यू सरप्लस व इकॉनमी का ब्रेकथ्रू स्टेट बनाना संभव हो सका। 9 वर्षों में सरकार ने युवाओं के कल्याण, महिलाओं की सुरक्षा-सम्मान और स्वावलंबन, किसानों के जीवन में परिवर्तन और चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं और वर्तमान में सरकार क्या करने जा रही है, इस पर भी चर्चा होगी।

जनसेवा व जन समस्याओं का समाधान सर्वोपरि: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधान भवन, लखनऊ में तृतीय सत्र-2026 मे सदन की कार्यवाही में सम्मिलित होने से पूर्व अपने सरकारी आवास, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं स्थानीय समस्याओं से उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री ने प्रत्येक नागरिक की बात को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ सुना तथा संबंधित विभागों एवं जनपदों के अधिकारियों को प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केशव मौर्य ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसामान्य की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुगमता से पहुंचे तथा प्रत्येक नागरिक को न्यायोचित एवं प्रभावी समाधान प्राप्त हो, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता, तत्परता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश की जनता की सेवा, उनकी समस्याओं का समाधान और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के अनुरूप जनकल्याण एवं सुशासन के संकल्प को निरंतर साकार कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन केवल जनसमस्याओं को सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद का सशक्त मंच है। इससे नागरिकों की समस्याओं को समझने तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जनता का विश्वास सरकार की सबसे बड़ी शक्ति है और उस विश्वास पर खरा उतरना हम सभी का दायित्व है।

भाजपा नेता व प्रॉपर्टी कारोबारी के कार्यालय में सेंध, 77 हजार की नकदी और दस्तावेज चोरी

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के प्रीत विहार स्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं प्रॉपर्टी कारोबारी के कार्यालय में चोरों ने पीछे की दीवार में सेंध लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर कार्यालय से 77 हजार रुपये की नकदी, महत्वपूर्ण बैनामे, जरूरी दस्तावेज तथा अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार प्रीत विहार निवासी भाजपा जिला उपाध्यक्ष जय भगवान शर्मा का महादेव प्रॉपर्टी के नाम से कार्यालय संचालित है। सोमवार सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो कार्यालय का सामान बिखरा पड़ा मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर पीछे की दीवार में सेंध लगाकर अंदर दाखिल हुए और अलमारी व दराजों की तलाशी लेने के बाद 77 हजार रुपये की नकदी, संपत्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण बैनामे, अन्य आवश्यक दस्तावेज तथा कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। कार्यालय संचालकों का कहना है कि पिछले दो वर्षों में उनके कार्यालय में चोरी की यह चौथी घटना है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि बार-बार हो रही चोरी की घटनाओं के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उपलब्ध साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है तथा जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में सोमवार सुबह प्रदेश के कई जनपदों से आए लोगों की सुनीं समस्याएं

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन के पहले सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान व मानसून सत्र के शासकीय दायित्वों के बीच भी जनसेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने सोमवार सुबह की शुरूआत जनता दर्शन से की। प्रदेश के कई जनपदों से आए सभी लोगों से उन्होंने एक-एक कर मुलाकात की। उनके प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को प्रेषित करते हुए समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। जनता दर्शन में पुलिस से जुड़ीं कई शिकायतें मिलीं, जिस पर मुख्यमंत्री काफी सख्त रहे। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और मुकदमे में दबाव जैसी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शासन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जनपदों में ऐसे मामले अधिक आ रहे हैं, वहां के पुलिस कप्तान की जवाबदेही तय की जाए।

सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी समस्या का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए पहले परस्पर संवाद और फिर विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता से किया जाए। हर समस्या का समाधान गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू बोलीं, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, मेहनत ही असली पहचान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का सोमवार शाम दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अभ्यास, अनुशासन, अपने प्रशिक्षक पर अटूट विश्वास और देश के लिए खेलने का जज्बा ही किसी खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी को कठिन परिस्थितियों से सीख लेकर निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए, तभी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। समारोह में राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मथुपाडी राजा, ऋषिकांत सिंह और लवप्रीत सिंह को भी सम्मानित किया गया। चारों खिलाड़ियों ने द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित प्रशिक्षक विजय शर्मा के मार्गदर्शन में इसी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अकादमी की ओर से सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के अकादमी पहुंचते ही प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों ने फूल-मालाओं के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और खिलाड़ियों ने अपने आदर्शों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर व्यापारी नेता रामकिशोर अग्रवाल, भाजपा नेता पवन सिंघल, उद्यमी राज ढींगरा, सभासद मोनू धामा, शिवम गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। समारोह में खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनकी सफलता से देश का गौरव विश्व स्तर पर बढ़ा है।

त्रिवेणी शुगर यूनिट खतौली ने 17वें कांवड़ सेवा शिविर का किया शुभारंभ

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा के उद्देश्य से त्रिवेणी शुगर यूनिट, खतौली द्वारा गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग पर 17वें कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन उप गन्ना आयुक्त सहारनपुर परिक्षेत्र ओ.पी. सिंह एवं जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कांवड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की सराहना की।

कार्यक्रम में इकाई प्रमुख डॉ. अशोक कुमार, महाप्रबंधक (गन्ना) कुलदीप राठी, मानव संसाधन प्रमुख डी.पी. सिंह, गन्ना विभाग के अधिकारी राजकुमार तोमर, देवेंद्र कुमार, शिवकुमार पुंडीर सहित मिल के अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इकाई प्रमुख डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि त्रिवेणी शुगर यूनिट पिछले कई वर्षों से इसी स्थान पर कांवड़ सेवा शिविर का संचालन कर रही है। शिविर में हरिद्वार से लौट रहे शिवभक्तों के लिए निःशुल्क भोजन, नाश्ता, पेयजल, दवाइयों की व्यवस्था के साथ विश्राम की समुचित सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सेवा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है और मिल प्रबंधन प्रत्येक वर्ष श्रद्धाभाव के साथ इस सेवा कार्य में भागीदारी निभाता है। शिविर में बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने सुविधाओं का लाभ उठाया और सेवा कार्य में जुटे स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की।

उद्योगों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता, एकमुश्त समाधान योजना और कॉमन फैसिलिटी सेंटर की मांग उठी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में सोमवार को औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान को लेकर उद्यमियों और प्राधिकरण अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव ने की। इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव भी मौजूद रहे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर आयोजित बैठक में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से रखा। बैठक में उद्यमियों ने सीवर, जल निकासी, विद्युत, पेयजल और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की। साथ ही उद्योगों के बकाया मामलों के निस्तारण के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू करने तथा एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से अनापत्ति प्रमाणपत्र और अन्य आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने ईकोटेक-3 को आदर्श औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने और सभी औद्योगिक क्षेत्रों में साझा सुविधा केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे उद्यमियों को बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था शुरू करने, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के लिए वेंडिंग जोन विकसित करने तथा जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल निकासी तंत्र को मजबूत करने की मांग भी उठाई गई। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौम्य श्रीवास्तव ने परियोजना, जल, सीवर, विद्युत, स्वास्थ्य और नियोजन विभाग के अधिकारियों को सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सावन के पहले सोमवार पर भाईपुर शिव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

रबूपुरा (शिखर समाचार)। सावन माह के पहले सोमवार को गांव भाईपुर स्थित श्री नानकेश्वर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के सुबह मंगला आरती के साथ ही भगवान शिव के जलाभिषेक का क्रम शुरू हो गया, जो देर तक चलता रहा। मंदिर परिसर में हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। दूर दराज के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान भोलेनाथ से परिवार की सुख समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और क्षेत्र में शांति एवं खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समिति ने दर्शन और जलाभिषेक के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं, जिससे भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को व्यवस्थित कतारों में दर्शन कराए और पूजा अर्चना संपन्न कराई। मंदिर परिसर में पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं, सावन के पहले सोमवार पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी गई। पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखा, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के बीच पूरे दिन मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा।

पत्नी पर पति की हत्या के प्रयास का आरोप, चाकू मारकर किया गंभीर घायल, मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के सादोपुर गांव में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान पत्नी ने पति पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में उपचार चल रहा है। घटना के संबंध में घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि सादोपुर निवासी प्रमोद शर्मा के पुत्र विपिन शर्मा का विवाह 13 दिसंबर 2013 को मोनिका शर्मा के साथ हुआ था। दो अगस्त को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान मोनिका शर्मा ने चाकू से विपिन शर्मा के सीने और बाजू पर कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों की मदद से घायल को तत्काल गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद घायल के पिता प्रमोद शर्मा ने बादलपुर कोतवाली में आरोपी बहू मोनिका शर्मा के विरुद्ध हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जेवर में विकसित होगा एवीजीसी एक्सआर पार्क, डिजिटल और रचनात्मक उद्योगों को मिलेगी नई उड़ानः आर के सिंह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर तथा प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निकट एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स एवं विस्तारित वास्तविकता) पार्क विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर चुका है। यह परियोजना प्रदेश को डिजिटल मीडिया और रचनात्मक उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

प्रस्तावित पार्क में एनीमेशन स्टूडियो, विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, गेम विकास एवं गेम डिजाइन केंद्र, मोशन कैप्चर स्टूडियो, वर्चुअल प्रोडक्शन सुविधाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंटेंट निर्माण केंद्र, विस्तारित वास्तविकता, आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता प्रयोगशालाओं के साथ डिजिटल मीडिया एवं इमर्सिव कंटेंट डेवलपमेंट सेंटर विकसित किए जाएंगे। इससे देश-विदेश की कंपनियों, स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य जेवर क्षेत्र को केवल औद्योगिक और विमानन केंद्र तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे देश का अग्रणी रचनात्मक और डिजिटल नवाचार केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निकट विकसित होने वाला एवीजीसी-एक्सआर पार्क निवेश, रोजगार और तकनीकी नवाचार को नई गति देगा। इससे प्रदेश के युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना भारत को एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सआर तकनीकों के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सावन के प्रथम सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, भोलेनाथ के जयकारों से गूंजे मंदिर

हापुड़ (शिखर समाचार)। सावन के प्रथम सोमवार पर जनपद के शिवालयों में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें शिव मंदिरों में जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिए लगनी शुरू हो गईं। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों ने व्रत रखकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा सुख समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसरों में पूरे दिन हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर ग्राम सबली स्थित प्राचीन शिव मंदिर, छपकौली शिव मंदिर, स्वर्ग आश्रम रोड स्थित चौराखी मंदिर, शीतला माता मंदिर, बराही मोहल्ला स्थित शिव मंदिर, चंडी रोड स्थित शिव मंदिर, बुलंदशहर रोड स्थित मां मंशा देवी मंदिर, माहेश्वरी मंदिर सहित जनपद के प्रमुख मंदिरों में सुबह से दोपहर तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मंदिर समितियों ने दर्शन और जलाभिषेक की सुचारु व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख मंदिरों पर पुलिस बल भी तैनात रहा।

सावन के प्रथम सोमवार पर जनपद के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने खीर, हलवा तथा अन्य प्रसाद का वितरण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। वहीं नगर पालिका परिषद ने भी पर्व को देखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाया। शहर के मंदिरों के आसपास सफाई कराई गई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए चूने का छिड़काव कराया गया।

नगर पालिका परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक आवेश कुमार ने बताया कि सभी सफाई नायकों की निगरानी में मंदिरों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सावन माह के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखी जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया, समाज की एकजुटता पर दिया जोर

बिजनौर (शिखर समाचार)। किरतपुर स्थित विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में सोमवार को विश्वकर्मा विकास सेवा एसोसिएशन (पंजीकृत) उत्तर प्रदेश और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का जन्मदिन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर केक काटकर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने एकजुट होकर सामाजिक संगठन और विकास का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश विश्वकर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए सभी वर्गों को संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत बनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि एकजुट समाज ही विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री दयानंद शर्मा, प्रदेश मंत्री भुवन विश्वकर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान रोहित विश्वकर्मा, प्रदेश प्रचार प्रमुख मनोज शर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी सौरभ शर्मा, प्रदेश मंत्री अशोक विश्वकर्मा, भाजपा कार्यकर्ता बीरबल शर्मा, डॉ. आर.के. शर्मा तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा के काजीवाला मंडल अध्यक्ष शुभम धीमान सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में शुभम शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर प्रचार प्रमुख विपिन विश्वकर्मा, हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के प्रदेश महामंत्री अवधेश विश्वकर्मा तथा बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोगों ने भी भाग लेकर राज्य मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

सीडीओ का सीयूजी नंबर क्लोन कर ठगी का प्रयास, व्हाट्सएप पर भेजे गए फर्जी संदेश

शामली (शिखर समाचार)। साइबर अपराधियों ने शामली के मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ला के सरकारी सीयूजी मोबाइल नंबर को क्लोन कर लोगों से ठगी का प्रयास किया। जालसाजों ने मुख्य विकास अधिकारी की फोटो का इस्तेमाल करते हुए व्हाट्सएप पर उनके परिचितों को फर्जी संदेश भेजे और सीआरपीएफ के एक सहायक कमांडेंट के नाम पर सस्ते दामों में घरेलू सामान बेचने का झांसा देकर रुपये मंगाने की कोशिश की। हालांकि लोगों की सतर्कता के कारण कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, सोमवार को कई लोगों ने संदिग्ध संदेश मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी से सीधे संपर्क कर इसकी पुष्टि की। तब पता चला कि साइबर ठगों ने उनके नाम और फोटो का दुरुपयोग करते हुए व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी संदेश प्रसारित किए थे। संदेश में दावा किया गया कि सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट संतोष कुमार का तबादला होने के कारण वे डबल बेड, सोफा सेट, आरओ, इन्वर्टर सहित अन्य घरेलू सामान बेहद कम कीमत पर बेच रहे हैं और मुफ्त घर तक पहुंचाने की सुविधा भी देंगे। इसके साथ ही जालसाजों ने सीआरपीएफ की वर्दी में एक फोटो तथा बैंक खाते का विवरण भेजकर अग्रिम भुगतान करने का दबाव बनाया।

मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ला ने लोगों से अपील की है कि उनके नाम से आने वाले किसी भी संदेश, फोन कॉल या रुपये की मांग पर बिना पुष्टि किए भरोसा न करें। उन्होंने बताया कि मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में सरकारी सीयूजी नंबर का क्लोन बनाकर व्हाट्सएप के दुरुपयोग की आशंका जताई गई है। साइबर पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

महिला स्वरोजगार मेले ने दिया आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का संदेश

मोदीनगर (शिखर समाचार)। हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के अवसर पर एहसास महिला समिति की परिणीता परियोजना के तत्वावधान में छत्रीवाला मंदिर परिसर में आयोजित एक दिवसीय स्वरोजगार मेले में महिलाओं की उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और प्रतिभा का उत्साहपूर्ण प्रदर्शन देखने को मिला। मेले का शुभारंभ किसी विशिष्ट अतिथि के बजाय स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी महिलाओं के हाथों फीता कटवाकर कराया गया। समिति ने इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया कि आत्मनिर्भर महिलाएं ही समाज में वास्तविक महिला सशक्तिकरण की पहचान हैं। मेले में महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पाद, परिधान, गृह सज्जा सामग्री, राखियां, उपहार सामग्री तथा विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए, जिन पर दिनभर खरीदारों और आगंतुकों की भीड़ उमड़ी। बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूले भी आकर्षण का केंद्र बने। इस अवसर पर विधायक मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद वैशाली, उपजिलाधिकारी कोमल पंवार, तहसीलदार रजत कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं और महिला संगठनों के प्रतिनिधियों ने मेले में पहुंचकर आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता, महिलाओं की नृत्य प्रतियोगिता तथा तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीज क्वीन का खिताब मानसी गुप्ता और ग्रेस क्वीन का सम्मान आंचल खुराना को मिला। समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। मोदीनगर इकाई की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर किए जाएंगे। परिणीता अध्यक्ष सृष्टि गौड़ ने आगामी दीपावली पर और अधिक भव्य स्वरोजगार मेले के आयोजन की घोषणा की। कार्यक्रम के समापन पर आयोजन में सहयोग देने वाली समिति की पूरी टीम और निष्काम सेवक जत्था समिति के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया गया।

भक्ति और उत्साह के साथ निकली बाबा महाकाल की पंचम पालकी यात्रा

शामली (शिखर समाचार)। बाबा महाकाल सेवा मंडल ट्रस्ट (पंजीकृत) के तत्वावधान में सोमवार को बाबा रुद्रेश्वर महादेव मंदिर, गौशाला रोड से बाबा महाकाल की पंचम पालकी यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। भगवान महाकाल की सुसज्जित पालकी के साथ श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े, जबकि पूरे नगर में "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष गूंजते रहे। पालकी यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए जलपान और सेवा की व्यवस्थाएं भी की गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी भाग लेकर भगवान महाकाल का पूजन-अर्चन किया और प्रदेश तथा देश की सुख-समृद्धि की कामना की। बाबा महाकाल सेवा मंडल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला के तहत 11 अगस्त को मंदिर परिसर में शाम 5 बजे महाआरती और शाम 6 बजे विशाल प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करने का आह्वान किया।

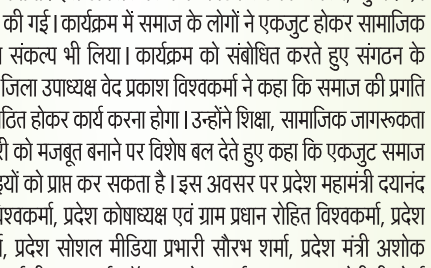

एलायंस क्लब क्रिस्टल ने गौशाला में की गौ सेवा, गौवंश को खिलाया फल चारा

हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ क्रिस्टल ने अपने चौथे मासिक सेवा प्रकल्प के अंतर्गत रविवार को मेरठ रोड स्थित श्री जी गौशाला, धीरखेड़ा में गौ सेवा का आयोजन किया। इस दौरान क्लब के सदस्य अपने परिवार और बच्चों के साथ गौशाला पहुंचे तथा सैकड़ों गौवंश और नंदियों को अपने हाथों से केला, फल, हरा चारा, चोकर और खांड खिलाकर सेवा की। क्लब की ओर से गौशाला के उपयोग के लिए 10 कुर्सियां भी भेंट की गईं।

क्लब अध्यक्ष रवि मोहन गर्ग ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौ सेवा को सर्वोच्च पुण्य कार्यों में माना गया है। गौ माता की सेवा से व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय समय पर गौ सेवा जैसे कार्यों में अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। क्लब के सचिव योगेंद्र कुमार मोनू बर्तन वाले ने कहा कि गौ सेवा से मानव में दया, करुणा और सेवा की भावना विकसित होती है। वहीं कोषाध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने बताया कि एलायंस क्लब क्रिस्टल पिछले कई वर्षों से गौ सेवा, जल सेवा, शरबत वितरण सहित विभिन्न सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है और भविष्य में भी सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर एलायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भगवत गोयल ने कहा कि संस्था समाज सेवा को अपना प्रमुख उद्देश्य मानकर कार्य कर रही है। हापुड़ में संचालित एलायंस क्लबों की विभिन्न शाखाएं समय समय पर जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं। सेवा कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट सचिव राहुल गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी सर्वेश गोयल, प्रकल्प अध्यक्ष राहुल गुप्ता, सुनील सिंघल, मुकेश अग्रवाल, दीपक गर्ग, धीरज गर्ग, अर्चित जैन, गौरव सिंघल, राजेश वर्मा, सचिन गोयल, रश्मि गर्ग, अंजली अग्रवाल, गीता अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे।

गुरु रविदास जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, समरसता का दिया संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बृज विहार मंडल द्वारा समरसता संकल्प अभियान के तहत सोमवार को भव्य शोभायात्रा एवं पावन कलश स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान गुरु रविदास की जन्मस्थली काशी से लाई गई पावन मिट्टी युक्त कलश यात्रा का बृज विहार मंडल के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। शोभायात्रा साहिबाबाद शिव मंदिर से प्रारंभ होकर झंडापुर, कड़कड़ हनुमान मंदिर, सूर्यनगर राम मंदिर और चंद्रनगर संकट मोचन हनुमान मंदिर पहुंची। प्रत्येक स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश पूजन एवं स्वागत-अभिनंदन किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष राजन आर्य, अनुसूचित जाति मोर्चा के संयोजक वेदप्रकाश जाटव सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल पदाधिकारी, सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बृज विहार मंडल अध्यक्ष नीरज रावल ने कहा कि संत गुरु रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानव सेवा का प्रेरणास्रोत है। उनके विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और सद्भाव की राह दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह गुरु रविदास के आदर्शों को अपनाकर समरस और सशक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। कार्यक्रम का समापन गुरु रविदास के आदर्शों पर चलने तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

कस्बा रोड पर भाजपा के दो नेताओं में मारपीट, 13 लोगों पर मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के व्यस्ततम कस्बा रोड पर सोमवार देर रात भाजपा के दो नेताओं के बीच पुराना विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के समर्थकों के आमने-सामने आने से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना में एक पक्ष के नेता के साथ मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि शिखर समाचार इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के अनुसार भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष रोहित सक्सेना और भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष नितिन मित्तल के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर कस्बा रोड पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। आरोप है कि रोहित सक्सेना और उसके साथियों ने नितिन मित्तल के साथ मारपीट की। घटना के बाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल नितिन मित्तल के समर्थन में कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस से वार्ता की। घायल नितिन मित्तल के पिता सुशील कुमार की तहरीर पर पुलिस ने रोहित सक्सेना, नीरज सक्सेना, पिंटू, छोटू समेत 13 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर बताया जा रहा है कि झड़प में रोहित सक्सेना भी घायल हुआ है और उसका उपचार कराया गया है, लेकिन इस संबंध में समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी गई थी। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

उपचुनाव के नतीजों ने बदल दिए राजनीतिक समीकरण, 2027 की दिशा तय करने लगे नए संकेत

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि जनता समय-समय पर अपने जनादेश के माध्यम से सत्ता और विपक्ष दोनों को संदेश देती रहती है। कई बार छोटे दिखने वाले उपचुनाव भी बड़े राजनीतिक संकेत दे जाते हैं और आने वाले विधानसभा या लोकसभा चुनावों की दिशा तय करने लगते हैं। बिहार और मध्य प्रदेश के हालिया विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भी यही साबित किया है। बिहार की प्रतिष्ठित बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत और मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर कांग्रेस की जीत ने राजनीतिक दलों को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। यह केवल दो सीटों का परिणाम नहीं है, बल्कि मतदाताओं की बदलती सोच, स्थानीय मुद्दों की अहमियत और नेतृत्व की स्वीकार्यता का स्पष्ट संकेत भी है। सबसे अधिक चर्चा बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट को लेकर है। पटना के शहरी क्षेत्र में स्थित यह सीट लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है। इस सीट का राजनीतिक महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहां से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन विधायक रहे हैं। ऐसे में जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर का इस सीट से चुनाव जीतना साधारण राजनीतिक घटना नहीं माना जा सकता। प्रशांत किशोर को 64,151 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले। इस प्रकार उन्होंने 19,324 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं और उन्हें 14,273 मत मिले। इन आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी मतदाता अब केवल पारंपरिक राजनीतिक पहचान के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह नए विकल्पों को भी गंभीरता से स्वीकार करने के लिए तैयार है। प्रशांत किशोर लंबे समय तक देश के चर्चित चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाने जाते रहे हैं। उन्होंने कई राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीतियां तैयार कीं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने स्वयं सक्रिय राजनीति का रास्ता चुना और बिहार में जन सुराज अभियान के माध्यम से एक वैकल्पिक राजनीतिक मंच खड़ा करने का प्रयास किया। बांकीपुर की जीत उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत भी है कि बिहार की राजनीति में तीसरे विकल्प की संभावना अब पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत दिखाई दे रही है। यदि जन सुराज पार्टी इस जनसमर्थन को संगठनात्मक मजबूती में बदलने में सफल रहती है, तो आगामी विधानसभा चुनावों में राज्य की राजनीति त्रिकोणीय मुकाबले की ओर बढ़ सकती है। भाजपा के लिए यह परिणाम निश्चित रूप से आत्ममंथन का अवसर है। जिस सीट को पार्टी का अभेद्य किला माना जाता था, वहां इतनी बड़ी हार केवल उम्मीदवार का प्रश्न नहीं हो सकती। संगठन, स्थानीय मुद्दों, मतदाताओं से संवाद और चुनावी रणनीति के हर पहलू की समीक्षा आवश्यक होगी। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी यह परिणाम चिंता का विषय है। मुख्य विपक्षी दल होने के बावजूद तीसरे स्थान पर रहना यह संकेत देता है कि विपक्ष की राजनीति में भी नए समीकरण बन रहे हैं और पारंपरिक वोट बैंक स्थायी नहीं रह गया है। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट का परिणाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित किया। सभी 15 चरणों की मतगणना पूरी होने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार को 66,757 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 60,741 वोट प्राप्त हुए। यह जीत कांग्रेस के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है।

~ मौलिक चिंतन ~

दुनिया में न कोई अजेय हुआ है और न ही भविष्य में होगा। अपनी ज़िंदगी में हर कोई हारता जरूर है, अपनों से या अपने आप से।

© विनय संकोची

विश्व स्तनपान सप्ताह : हर माँ को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण

सुनील कुमार महला

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1झ्7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निमार्ताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हाल फिलहाल, यहां यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि इस सप्ताह को मनाने की शुरूआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1990 में दुनिया भर के नीति निमार्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित इन्नोसेंटी घोषणा पत्र की याद में ही हर साल अगस्त के पहले सप्ताह को चुना गया था।

इस साल(वर्ष 2026 में) इस दिवस की थीम-जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं। रखी गई है। वास्तव में, इस थीम का संदेश है कि माताओं को हर स्तर पर सहयोग मिले, ताकि वे अपने बच्चों को आसानी और सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकें। मतलब यह है कि सरकार, अस्पताल, कार्यस्थल, परिवार और समाज मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएँ, जिससे हर माँ बिना किसी कठिनाई के अपने शिशु को सुरक्षित और सफलतापूर्वक स्तनपान करा सके। जन्म के छह माह तक हर शिशु को केवल मां के दूध की आवश्यकता होती है। मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। मां का दूध शिशु को पोषण व अच्छा स्वास्थ्य देता है तथा शिशु मृत्यु दर और कुपोषण को कम करता है, इसलिए प्रत्येक शिशु के लिए मां का दूध बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। जन्म के तुरंत बाद आने वाला गाढ़ा पीला दूध लिक्विड गोल्ड कहलाता है। इसमें इतने ज्यादा इम्यून सेल्स होते हैं कि इसे बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका (फर्स्ट वैक्सीन) माना जाता है। सच तो यह है कि स्तनपान से मां और बच्चे का डीएनए संवाद संभव हो पाता है।

मां के दूध में प्राकृतिक रूप से एंडोर्फिन और अन्य ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चे को दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं। दुनिया भर में चिकित्सक जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने की सलाह देते हैं तो इसके पीछे विशेष कारण हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पहले 6 महीने तक केवल माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार माना जाता है।स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा संक्रमण का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं, स्वयं माँ के लिए भी स्तनपान लाभकारी है; यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुधार और कुछ रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं, यह परिवार की आर्थिक बचत और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है। दरअसल,माँ का दूध प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है, इसलिए शिशु आहार खरीदने की आवश्यकता कम या नहीं पड़ती।और तो और बोतल, निप्पल, स्टेरिलाइजर और अन्य सामान पर होने वाला खर्च बचता है। सच तो यह है कि स्तनपान करने वाले शिशु अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं, जिससे दवाइयों और अस्पताल के खर्च में भी कमी आ सकती है।माँ का दूध बनाने के लिए किसी कारखाने, पैकेजिंग या लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता नहीं होती। यह प्राकृतिक है।इससे प्लास्टिक, टिन और पैकेजिंग कचरा कम उत्पन्न होता है। साथ ही साथ, ऊर्जा, पानी और ईंधन की खपत कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन भी घटता है।इसलिए स्तनपान एक प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ (सस्टेनेबल) विकल्प माना जाता है।

अंत में यही कहूंगा कि स्तनपान की सफलता एक मां के अकेले की यात्रा नहीं है; यह पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज के संयुक्त सहयोग का परिणाम है। यदि समाज सही जानकारी, सम्मान और सुविधाएं प्रदान करे, तो हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वाताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरूआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

योगेश कुमार गोयल

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित ह्यभगवाकरणह्न के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ह्यऑल ब्लैक्सह्न और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे ह्यखेलों का भगवाकरणह्न करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूनामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

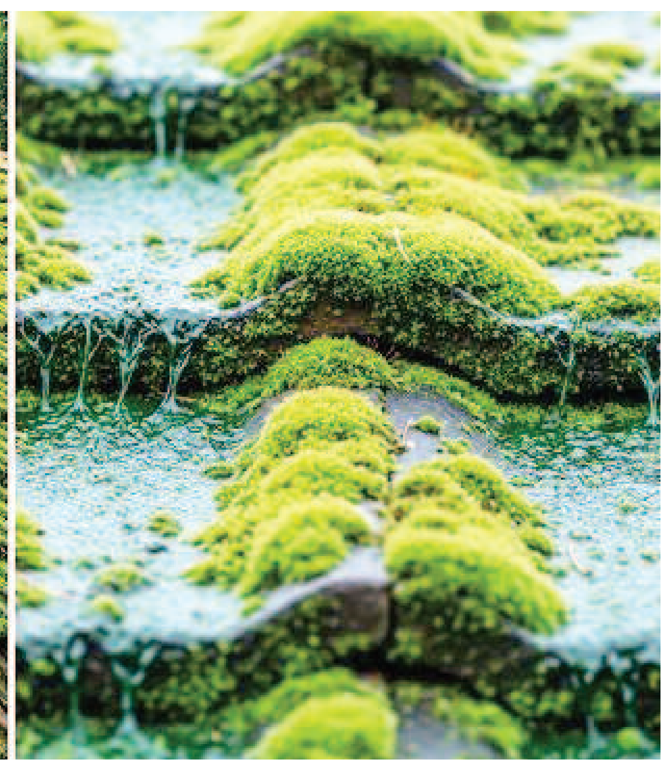

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेज़ी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला, एसबीआई को 1.64 लाख लौटाने का आदेश

चंडीगढ।

पंजाब के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक ग्राहक के खाते से हुए अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन के 1.64 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने तुरंत धोखाधड़ी की जानकारी बैंक शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और पुलिस को दी थी, लेकिन बैंक ने राशि वापस नहीं की। मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचने पर, कमीशन ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को हल न करने को सेवा में कमी माना। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने कभी अपनी कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। बैंक ने ग्राहक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लेनदेन उसके यूजरनेम, पासवर्ड और ओटीपी के बिना संभव नहीं था। मगर, आयोग ने पाया कि एसबीआई ग्राहक की लापरवाही साबित करने के लिए कोई ठोस तकनीकी साक्ष्य (जैसे सर्वर लॉग या फोरेंसिक रिपोर्ट) पेश नहीं कर सका। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि ग्राहक अनधिकृत लेनदेन की समय पर सूचना देता है, तो ग्राहक की लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी बैंक की होती है।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने पहली तिमाही में दर्ज किया 7.6 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन आय 3.7 प्रतिशत बढ़कर 281.48 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 271.36 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा। मोबिक्विक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लाभप्रदता हमारे कारोबारी मॉडल का अभिन्न हिस्सा है। लगातार तीन तिमाहियों

सेबी के प्रतिबंध से जी एंटरटेनमेंट के शेयर 13 फीसदी लुढ़के

मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा व एमडी पुनीत गोयनका एक साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयरों में सोमवार को 13 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा कंपनी और उसके शीर्ष अधिकारियों पर प्रतिभूति बाजार में प्रतिबंध लगाने के बाद यह गिरावट आई। सेबी ने हैदराबाद स्थित कंपनी की जमीन को एस्सेल समूह के ऋणों के लिए अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के मामले में यह कार्रवाई की है। नियामक ने जेडईईएल पर दो महीने, जबकि मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा और प्रबंध निदेशक व सीईओ पुनीत गोयनका पर एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध की खबर के बाद सोमवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 13 प्रतिशत टूटकर 100.40 रुपये पर आ गया, वहीं एनएसई पर भी इसमें 12.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.37 रुपये पर कारोबार हुआ। सेबी ने अपने 150 पृष्ठ के अंतिम आदेश में यह भी कहा कि इन पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह कार्रवाई कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस में कथित अनियमितताओं को लेकर हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 390 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा। वहीं व्यापक बाज़ार में, निफ्ट मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी मीडिया के शेयर गिरे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ

बातचीत सोमवार को शुरू होगी। इससे भी कच्चे तेल की कीमतें गिरीं है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586.57 अंकों की बढ़त के साथ 78,681.21 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 161.40 अंक फीसदी चढ़कर 24,545.00 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह पहले कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा।

वेदांत का 20,000 करोड़ कर्ज घटाने और 10 अरब डॉलर एबिटा का लक्ष्य

जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद शीर्ष नेतृत्व का बढ़ा आत्मविश्वास

नई दिल्ली।

धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 अरब डॉलर एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने और चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के शीर्ष नेतृत्व ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद यह अनुमान निरंतर वृद्धि के प्रति उसके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ऋण घटाने की प्रक्रिया तेज हुई है; जून तिमाही में वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। उधारी के पुनर्वित्तपोषण से फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई, जिससे सालाना ब्याज पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। यह प्रदर्शन उच्च उत्पादन, कम परिचालन लागत और मजबूत ब्रेंट क्रूड व एलएमई कीमतों जैसी अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों का परिणाम है।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च किए दो नए सेविंग्स अकाउंट

मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स में साइबर कवर, हेल्थ बेनिफिट्स और प्रीमियम बैंकिंग सुविधाएं

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो नए सेविंग्स अकाउंट वेरिएंट मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स लॉन्च किए हैं। बैंक ने इन्हें अपने सेविंग्स मैक्स अकाउंट पोर्टफोलियो के तहत पेश किया है। दोनों अकाउंट्स में साइबर सुरक्षा, बीमा, हेल्थ और लाइफस्टाइल से जुड़े विशेष लाभ दिए गए हैं।

मैक्स फॉर सीनियर्स में 25 हजार रुपये तक का साइबर इंश्योरेंस, एफडी पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज, ऑटो स्वीप सुविधा, डोरस्टेप बैंकिंग, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, हेल्थ चेकअप, लाइफस्टाइल वाउचर और डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर मिलेगा। वहीं मैक्स फॉर हर में ऑटो स्वीप सुविधा, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, लॉकर शुल्क में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर शामिल है।

बैंक के ग्रुप हेड आशीष पार्थसारथी ने कहा कि बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए बैंक विशेष ग्राहक वर्गों के लिए अनुकूलित बैंकिंग समाधान विकसित कर रहा है। नए उत्पाद सुरक्षा, सुविधा और दीर्घकालिक वित्तीय संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

पीआईबी के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं कुल बैंक खातों में करीब 39.2 प्रतिशत महिलाओं के नाम हैं और जमा राशि में उनकी हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत है। इन्हीं बदलते रुझानों को देखते हुए बैंक ने दोनों नए अकाउंट पेश किए हैं।

कॉफी मशीन्स ने सेडना होरेका से जुटाए 50 करोड़, विस्तार की तैयारी

- उत्पाद पोर्टफोलियो, विनिर्माण और सेवा ढांचे के विस्तार पर होगा खर्च

नई दिल्ली।

कॉफी उपकरण और सेवा प्रदाता कंपनी कॉपी मशीन्स ने अपने इक्विटी दौर में बिजनेस-टु-बिजनेस होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग) समाधान प्रदाता सेडना होरेका से 50 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। यह कॉपी मशीन्स के लिए बाहरी निवेशकों से जुटाई गई पहली फंडिंग है, जो अब तक प्रवर्तकों के निवेश पर निर्भर थी।

कंपनी इस रकम का उपयोग अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने, विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और अपनी प्रौद्योगिकी, वेयरहाउसिंग तथा सेवा के ढांचे में सुधार करने की योजना बना रही है। कॉपी मशीन्स के ग्राहकों में बड़ी कैफे श्रृंखलाएं, होटल, खुदरा विक्रेता और कॉफी वेंडिंग कारोबार शामिल हैं। उसके कुछ प्रमुख ग्राहकों में स्टारबक्स, ब्लू टोकाई, मैकडॉनल्ड्स, अराकु, बर्गर किंग और बूजी के साथ-साथ आईटीसी होटल्स तथा ओबेरॉय जैसे अतिथि-सत्कार क्षेत्र के बड़े ब्रांड शामिल हैं। कापी मशीन्स के एक अे धिकारी ने बताया कि, 'हमने ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय कॉफी उपकरणों के आयातक के रूप में शुरुआत की थी, जब भारतीय कॉफी एक व्यापारिक फसल से उपभोक्ता उत्पाद में बदल रही थी और कैफे संस्कृति उभर रही थी।

हमने वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी की ताकि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले कॉफी उपकरण ला सकें, उन्हें स्थापित कर सकें और बिक्री बाद उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर सकें। यह निवेश कंपनी को भारतीय कॉफी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स का पहली तिमाही में मुनाफा 13.7 प्रतिशत बढ़कर 483 करोड़

नई दिल्ली ।

पुणे स्थित आईटी सेवा प्रदाता पर्सिस्टेंट सिस्टम्स ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 13.67 प्रतिशत बढ़कर 483.04 करोड़ रुपये हो गया, जबकि परिचालन आय में 29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 4,303.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से 1.15 अरब डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) और बड़े ग्राहकों के साथ रणनीतिक साझेदारियों से समर्थित थी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 424.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 3,333.58 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की थी। हालांकि, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, विदेशी मुद्रा विनिमय नुकसान के कारण शुद्ध लाभ 8.7 प्रतिशत घटा, जबकि राजस्व में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि इस प्रदर्शन को 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही टीसीवी से बल मिला, जिसमें एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ 65 करोड़ डॉलर से अधिक का साढ़े छह वर्ष का रणनीतिक सेवा समझौता भी शामिल है। सॉफ्टवेयर, हाई-टेक और उभरते उद्योग क्षेत्र 40.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े राजस्व योगदानकर्ता बने रहे, जिसमें सालाना 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही और इसमें 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 जून 2026 तक कंपनी में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 28,640 हो गई।

घरेलू ईवी ट्रक उद्योग सशक्त बनाने की तैयारी, आयात शुल्क 40 फीसदी करने का प्रस्ताव

सियाम ने विदेशी इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी उत्पादों की डंपिंग रोकने के उद्देश्य से, भारी उद्योग मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से ट्रक-ट्रैक्टरों पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से चार गुना बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है।

सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रक-ट्रैक्टरों के बढ़ते आयात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसे विदेशी ब्रांडों द्वारा बाजार में कम शुल्क का दुरुपयोग बताया जा रहा है।

`सियाम ने पिछले साल 28 नवंबर को भारी उद्योग मंत्रालय को भेजे पत्र में बताया था कि वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में चीन से 400 और यूरोप से 100 इलेक्ट्रिक ट्रक का आयात किया गया।` सियाम का कहना है कि मौजूदा 10 फीसदी आयात शुल्क विदेशी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माताओं को उनके भारतीय प्रतिस्पर्धियों पर 40-50 फीसदी का मूल्य लाभ दे रहा है।

उद्योग निकाय ने चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क जारी रहता है, तो 2027 तक आयातित इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स की संख्या 1,000-3,000 इकाई तक बढ़ सकती है, जो भारतीय बाजार का 20-25 फीसदी हिस्सा हो सकता है।

भारत सरकार प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। ब्लू एनर्जी मोटर्स, मोंट्रा इलेक्ट्रिक, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के विकास और विनिर्माण में भारी निवेश किया है। सायम ने भारतीय निर्माताओं के इस निवेश की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और शुल्क वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि विदेशी ब्रांड बिना किसी ठोस परिचालन के सस्ते आयातित इकाइयों से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सकें।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट 4 फीसदी से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई 5 फीसदी से ज्यादा

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में यह उम्मीद जगाई कि पश्चिम एशिया में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है। इस बीच ओपेक के प्रमुख देशों ने उत्पादन बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे भविष्य में वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ सकती है। वहीं इराक और तुर्की ने भी अपनी तेल पाइपलाइन समझौते को एक साल के लिए बढ़ाया है, जिससे प्रतिदिन करीब 7.5 लाख बैरल तेल का निर्यात संभव होगा। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े नए शिपिंग रूट पर बातचीत भी अंतिम चरण में है, जो क्षेत्र में तनाव कम करने के कूटनीतिक प्रयासों को बल दे रही है।

एमएंडएम वित्त वर्ष 27 तक बढ़ाएगी मासिक ईवी उत्पादन क्षमता

चाकण और नागपुर में नए प्लांट, ब्रोकरेज ने दिया बाय का कॉल

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में एक मजबूत पकड़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी सिर्फ नई गाड़ियां लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता, प्लांट और तकनीकी प्लेटफॉर्म पर भारी निवेश कर रही है। यह रणनीति ब्रोकरेज हाउसेस को भी पसंद आ रही है, जो एमएंडएम के ईवी कारोबार को कंपनी की अगली बड़ी ग्रोथ ड्राइवर मान रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार में लंबी रेस का घोड़ा बनने को तैयार है। कंपनी का फोकस केवल नए इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लॉन्च करने पर ही नहीं है, बल्कि वह अपनी फैक्ट्री की क्षमता बढ़ाने, नए प्लांट तैयार करने और आने वाले सालों की मांग को ध्यान में रखकर भारी निवेश कर रही है। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म्स मान रहे हैं कि एमएंडएम ्का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार आने वाले समय में कंपनी की कमाई और समग्र ग्रोथ दोनों को नई रफ्तार दे सकता है। एमएंडएम का कहना है कि उसे अपने इलेक्ट्रिक वाहनों, विशेषकर एक्सईवी 9एस के लिए बाजार से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। जून तिमाही में एमएंडएम की इलेक्ट्रिक एसयूवी की बाजार हिस्सेदारी 12 फीसदी रही, जो पूरे उद्योग के औसत 9 फीसदी से कहीं बेहतर प्रदर्शन है। इसी भरोसे के दम पर कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने में जुटी है। वर्तमान में एमएंडएम हर महीने लगभग 64,500 एसयूवी बना सकती है, जिसमें 8,000 इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं।

कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के आखिर तक कुल क्षमता बढ़ाकर 82,000 यूनिट प्रति महीना करना है। इसमें इलेक्ट्रिक एसयूवी की क्षमता बढ़कर 12,000 यूनिट प्रति महीना हो जाएगी। इसके बाद ``वित्त वर्ष 28 में चाकण प्लांट में हर महीने 10,000 यूनिट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी। भविष्य में, नागपुर में एक नया ग्रीनफील्ड प्लांट भी` वित्त वर्ष 30 और 31 में दो चरणों में बड़ी क्षमता जोड़ेगा, जिससे नए इलेक्ट्रिक मॉडल का उत्पादन बढ़ाना आसान होगा।

कंपनी ने बताया है कि उसके आगामी नए मॉडल एनयू-आईक्यू प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे, जिसके जरिए एमएंडएम उन सेगमेंट में भी प्रवेश करेगी जहां अभी उसकी मौजूदगी कम है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एमएंडएम के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,100 रुपए का टारगेट दिया है।

ब्रोकरेज का मानना है कि मजबूत एसयूवी मांग और बढ़ती उत्पादन क्षमता आगे ग्रोथ को सहारा देगी, हालांकि कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और ईवी अपनाने की धीमी रफ्तार कुछ चुनौतियां पेश कर सकती हैं।

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत, संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के बीच बैंकों ने आरबीआई और एनपीसीआई को सुझाया नया सुरक्षा तंत्र

नई दिल्ली ।

भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल सुझाया है। प्रस्तावित सिस्टम के अनुसार, यदि कोई यूपीआई ट्रांजैक्शन संदिग्ध पाया जाता है, तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजैक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजैक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है, उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक केवल संदिग्ध मामलों पर ही इसे लागू करने के पक्ष में हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** – यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50–ओवर के मैच और दो चार–दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नील्सन होंगे हेड कोच** – ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नील्सन होंगे। नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** – टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता– हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लास्गो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज्यादा बार इस मल्टी–स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।
सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो–स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूजिशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संग की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू–कश्मीर के पहले क्रिकेटर – 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए – 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्राफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी – आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख – बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट – शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी – चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, ज़ाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम – लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी– टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी – लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास – टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड – मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत – ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3968

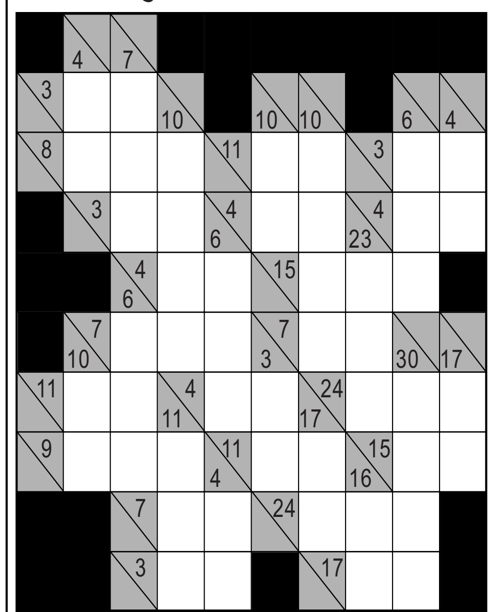

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 / 24 — 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3967 का हल

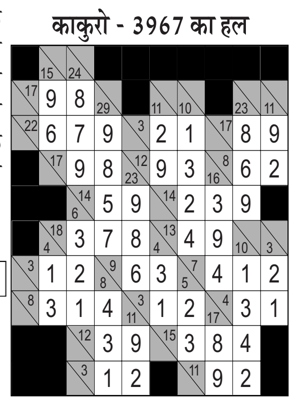

लॉफिंग जोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला– बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला– साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति–पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था– यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति–पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था– अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3968

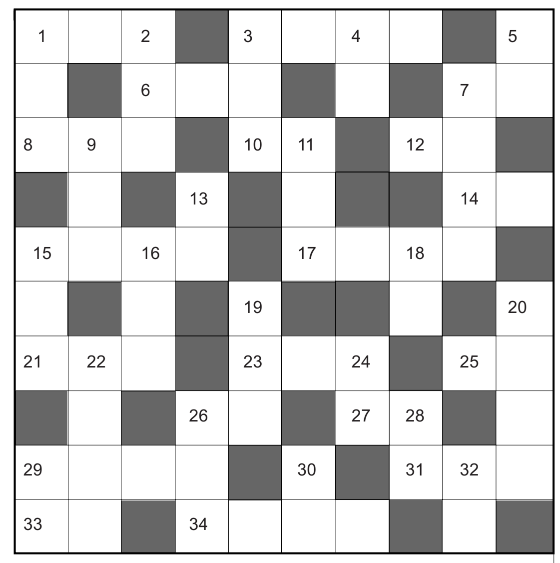

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3967

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -3968

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3967 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली -3968

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बंधुता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3967 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मो	प	दे	श	क

बच्चों के सामने ना झगड़ें

आज के समय में पति-पत्नी दोनों पढ़े-लिखे और समझदार होते है. ऐसे में उनके बीच कुछ मुद्दों पर वाद-विवाद या मतभेद होना आम बात है। ऐसे में कई बार उनके बीच तनाव सा आ जाता है। आपसी बहस व तनाव से बच्चों को दूर रखें। बच्चों को आपसी गाली-गलौज से दूर रखते हुए समझदार वयस्क व्यक्ति की भांति अपने मनमुटाव निपटाएं। यदि किसी कारणवश पति-पत्नी को अलग होना पड़ता है। तो बच्चों को समझाएं कि अलग-अलग रहने पर भी मम्मी-पापा दोनों उन्हें बहुत प्यार करते है। लेकिन मजबूरीवश वे सब एक साथ नहीं रह सकते। अपने झगड़ों में बच्चों को बलि का बकरा या मोहरा ना बनाएं। बच्चों के सामने एक-दूसरे की आलोचना ना करें। उनके दिमाग में किसी भी तरह की दुर्भावना ना भरें।

शहद से निखारें खूबसूरती

- शहद प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है। इसे नियमित चेहरे पर लगाने से त्वचा का मॉइश्चराइजर लेवल बना रहता है।
- त्वचा रूखी है तो चेहरे पर शहद लगाएं। 20मिनट बाद चेहरा धो लें। या फिर आप चाहें तो शहद में संतरे के जूस की कुछ बूंदें मिलाकर लगा सकती हैं।
- आधा टीस्पून शहद, 1 टीस्पून गुलाबजल,1 टीस्पून दूध पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद धो लें।
- पानी में शहद मिलाकर उस पानी से स्नान करें। त्वचा का रूखापन कम होगा और त्वचा नरम-मुलायम बन जाएगी।
- शहद में एंटीसेप्टीक और हीलिंग गुण भी हैं। इसलिए कील-मुंहासे की समस्या से ग्रस्त लोग भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक टीस्पून शहद में दही मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद पानी से धो लें।
- शहद तैलीय और सामान्य दोनों त्वचा के लिए फायदेमंद है। तैलीय त्वचा के लिए शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट बाद चेहरा धो लें। सामान्य त्वचा वाले चेहरे पर शहद लगाकर 20 मिनट बाद चेहरा धो लें।

डैंड्रफ से कैसे पाएं छुटकारा

बाल किरेटिन से बनते हैं। बालों के विकास की तीन स्थितियां होती हैं- एनाजेन, कैरोजन व टेलोजन। इस प्रक्रिया के दौरान बाल टूटते हैं और नए बाल उगते भी हैं। बालों की अधिकतर समस्याएं जैसे बालों का झडना, पतले होते जाना, खुजली होना या गंजा होना इत्यादि अनेक रोग रूसी की देन होते हैं। अत: रूसी को अनदेखा न करें। रूसी यानी डैंड्रफ के मुख्य कारण होते हैं गंदगी, ठीक प्रकार से सिर न धोना, नियमित रूप से बालों में कंघी न करना, गंदे कंघे या ब्रश का इस्तेमाल, दूसरे की कंघी का इस्तेमाल, शारीरिक खुजली, बालों में तेल मालिश न करना, सिर में मेहंदी या हेयर पैक लगाकर बालों को ठीक से न धोना। रूसी सिर्फ बालों को ही नहीं बिगाडती, चेहरे को भी मुंहासों से ग्रसित कर देती है, क्योंकि कंघी करते वक्त रूसी शरीर के जिन खुले अंगों (जैसे कंधे, गर्दन, माथा, चेहरा) पर गिरती है वहां छोटे छोटे दाने उभर आते हैं व चेहरे को बदसूरत बना देते हैं।

रूसी से बचने के उपाय

- बालों की जडों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
- कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
- कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
- रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोडी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
- सप्ताह में एक या दो बार एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है। भाप के लिए गरम पानी में नीबू का रस निचोड लें।
- सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।
- बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।

हर्बल पैक बनाने की विधि

100 ग्राम मेहंदी पाउडर, 10 ग्राम आंवला पाउडर, 5 ग्राम रीठा पाउडर, 10 ग्राम शीकाकाई पाउडर, 10 ग्राम कपूर कचरी पाउडर, 5 ग्राम नीमा पउडर, 5 ग्राम मेथी पाउडर, 10 ग्राम कैलेंडुला क्यू, 10 ग्राम बेसन, 1 कप दही, 1 अंडा (ऐच्छिक), 1 नीबू का रस। इस सारी सामग्री को मिलाकर इतना गाढा पेस्ट बनाएं कि पेस्ट नीचे न टपके। अब इस मिश्रण को बालों पर कम से कम तीन घंटे तक लगाएं, फिर किसी अच्छी कंपनी के हर्बल शैंपू से बालों को धो लें।

एंटीसेप्टिक तेल बनाने की विधि

इसे बनाने के लिए 150 ग्राम नारियल का तेल, 100 ग्राम जैतून का तेल, 50 ग्राम कैस्टर ऑयल, 1 टी स्पून मेथी के दाने या पाउडर, एक-एक टेबल स्पून पुदीने, तुलसी और नीम की बारीक कटी हुई पत्तियां और करी पत्ता की बारीक कटी पत्तियां एक बडे बर्तन में मिलाकर धीमी आंच पर पका लें। ठंडा होने पर बोतल में भर लें। आवश्यकतानुसार तेल पहले गुनगुना करके ठंडा करें और उसमें कैलेंडुला क्यू की दस बूंदें मिलाकर सिर की मालिश करें।

शैंपू करने का सही तरीका

- जरूरत के अनुसार शैंपू मग में डालकर पानी मिलाएं व उसे थोडा-थोडा बालों में डालकर धोएं।
- शैंपू बालों में लगाने के बाद उंगलियों के पोरों से मालिश करें। इससे गंदगी भी साफ होगी और अतिरिक्त तेल निकलने के साथ ही बालों में अधिक गांठें बनना या उनका उलझना नहीं होगा। शैंपू लगाकर उलटे-सीधे बालों को खींचना या मोडना नहीं चाहिए। ज्यादा लंबे बालों को नीचे तक शैंपू लगाकर दोनों हाथों को बीच में मलते हुए धोना चाहिए।
- शैंपू करने के बाद बालों को खूब अच्छी तरह धोना चाहिए। जब तक पूरा शैंपू बालों से निकल न जाए, बाल धोती रहें।
- बाल धोने के बाद तौलिए से लपेटे नहीं। अतिरिक्त पानी नर्म तौलिए द्वारा आहिस्ता से झाडें। अब साफ कंघी से बालों की गांठें व उलझाव सुलझाएं।

आप इन छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखेंगी तो रूसी से तो छुटकारा मिलेगा ही, आपके बाल स्वस्थ, खूबसूरत व चमकदार बने रहेंगे।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

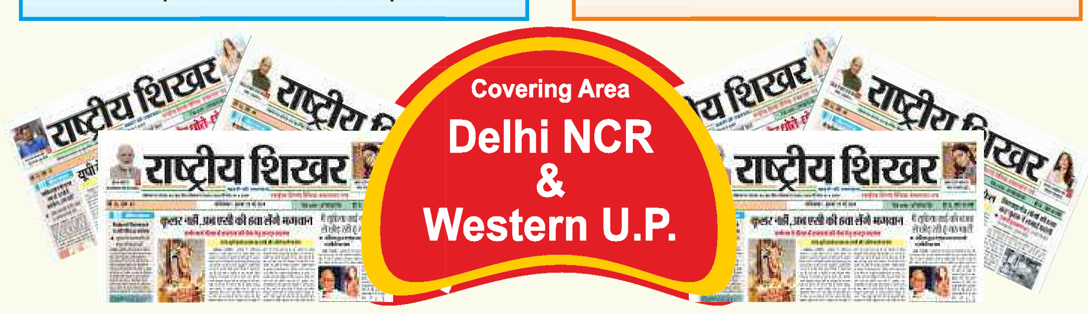
Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए स्क्रिप्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।'' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एक्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते चिकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्ज़रलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूं। आज मैं अपनी खूबियों और कमियों, अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूं, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूं, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'

संक्षिप्त समाचार

जापान में मूल आबादी पहली बार 12 करोड़ से नीचे, घटती जन्मदर चुनौती

टोक्यो, एजेंसी। जापान में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की संख्या 42 वर्षों में पहली बार 12 करोड़ से नीचे आ गई है। देश लगातार घटती जन्मदर, तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। वहीं, विदेशी नागरिकों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था की श्रम जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जापान टाइम्स के अनुसार, जापान के आंतरिक मामलों और संचार मंत्रालय के ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि एक जनवरी 2026 तक देश में रहने वाले मूल जापानी नागरिकों की आबादी घटकर 11.974 करोड़ रह गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 0.76 प्रतिशत कम है और 1984 के बाद पहली बार यह संख्या 12 करोड़ से नीचे पहुंची है। वर्ष 2009 में आबादी के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद से जापानी नागरिकों की संख्या लगातार 17 वर्षों से घट रही है।

श्रीलंका जेल संघर्ष : एक कैदी की मौत, सात घायल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की महारा जेल में कैदियों के बीच संघर्ष हुआ। पुलिस ने बताया कि इसमें एक कैदी की मौत हो गई और सात घायल हो गए। सुरक्षा बढ़ा दी गई और विशेष पुलिस बल तैनात किया गया। जुलाई की शुरुआत में नेगोंबो जेल में भी ऐसा ही संघर्ष हुआ था, जिसमें 33 लोग मारे गए थे।

कोलंबिया में पुलिस अड्डे पर हमला : ईएलएन पर आरोप, 11 अधिकारी घायल

बोगोटा, एजेंसी। एक अगस्त को एक पुलिस अड्डे के बाहर हुए विस्फोट में 11 अधिकारी घायल हुए और एक पुलिस कुत्ता मारा गया। सरकार ने इस हमले के लिए नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) को दोषी ठहराया। यह हमला कुकुटा में हुआ, जो कोलंबिया-वेनेजुएला सीमा पर है। जनरल विलियम रिंकोन ने इसे 'घिनौना आतंकवादी हमला' बताया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने जानकारी देने वाले को 60,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की पेशकश की। नए राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रीला शांति वार्ता रद्द करने का वादा कर चुके हैं। ईएलएन दशकों से कोलंबिया सरकार से लड़ रहा है।

ट्रेडर्स अब पैसे देकर पहले देख सकेंगे ट्रम्प के पोस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल ने वॉल स्ट्रीट के हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स के लिए ट्रुथ एपीआई नाम की पेड सर्विस शुरू की है। इसके तहत कस्टमर मंथली फीस देकर ट्रम्प और दूसरे अकाउंट्स के पोस्ट तक तेज तकनीकी पहुंच हासिल कर सकेंगे, ताकि वे बाजार में तेजी से ट्रेड कर सकें। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ, युद्ध, ब्याज दर और दूसरे नीतिगत फैसलों से शेयर, बॉन्ड और मुद्रा बाजार प्रभावित होते हैं, ऐसे में यह व्यवस्था इनसाइडर ट्रेडिंग और सार्वजनिक पद के निजी लाभ के लिए इस्तेमाल जैसे गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं ट्रम्प मीडिया का कहना है कि पोस्ट सभी के लिए एक ही समय पर जारी किए जाएंगे और सर्विस में कोई अनुचित लाभ नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान पर हमला फिलहाल टाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

मॉस्को रेस्टोरेंट में होममेड बम से भीषण धमाका, तीन लोगों की मौत और 21 घायल, जांच जारी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम को एक बहुत ही भयंकर और खौफनाक हादसा सामने आया है। कुद्रिंस्काया स्क्वायर स्थित एक बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने मशहूर इटैलियन रेस्टोरेंट बाल्जी रोसी में भीषण धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य लोग बहुत बुरी तरह से घायल हुए हैं। रूस की सरकारी मीडिया और स्थानीय मॉस्को पुलिस ने इस बड़े और भयंकर हादसे की पूरी तरह से आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

शुरुआती रिपोर्टों में प्रशासन द्वारा यह आशंका जताई जा रही थी कि यह भयंकर धमाका गैस सिलेंडर फटने की वजह से हुआ है। लेकिन जांच के बाद यह बड़ा खुलासा हुआ कि एक महिला होममेड बम लेकर इस रेस्टोरेंट में पहुंची थी, जिसके फटने से यह भीषण विस्फोट हुआ। घटना में घायल हुए सभी 21 लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन घायलों में से कई लोगों की हालत इस समय बेहद नाजुक और बहुत गंभीर बनी हुई है।

रिमोट से किया गया था धमाका : रूसी समाचार पत्र 'कोमर्सेंट' ने अपने विशेष सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बम रेस्टोरेंट की समर टेरेस पर मौजूद मेहमानों को निशाना बनाने के लिए था। ऐसी गंभीर आशंका जताई जा रही है कि इस खतरनाक बम को किसी दूसरे व्यक्ति ने रिमोट कंट्रोल की मदद से बहुत दूर से उड़ाया था। ऐसा मुमकिन है कि बम ले जा रही उस महिला को यह जानकारी ही न हो कि उसके पास कोई खतरनाक विस्फोटक चीज मौजूद है। पुलिस अब इस खौफनाक आतंकी साजिश के सभी पहलुओं की बहुत ही गहनता और बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है।

प्राइवेट इवेंट के कारण बची जान : रेस्टोरेंट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को एक प्राइवेट इवेंट होने की वजह से इसे आम ग्राहकों के लिए पूरी तरह से बंद रखा गया था। अधिकारियों का साफ मानना है कि अगर यह रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खुला होता, तो मौतों की यह संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हो सकती थी। धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजे से ठीक पहले हुआ, जिसमें बम ले जा रही महिला और रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड की जान चली गई। इसके अलावा वहां मौजूद एक अन्य निर्दोष ग्राहक ने भी इस भयंकर धमाके की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाके को किया गया पूरी तरह सील : मॉस्को जांच समिति के मुताबिक तमाम जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और इमरजेंसी सर्विसेज की विशेष टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सरकारी समाचार एजेंसी ने एक वीडियो जारी करके दिखाया है कि पूरे इलाके की घेराबंदी करके भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आम जनता के लिए उस पूरे प्रभावित इलाके को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लगातार सबूत जुटा रही है ताकि इस खौफनाक बम धमाके के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

अज्ञात महिला ने की थी रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश : सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने बताया कि रूस की आतंकवाद-रोधी समिति के अनुसार, एक अज्ञात महिला ने रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश की लेकिन एक सुरक्षा गार्ड ने उसे रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि इसके बाद हुए धमाके में वह महिला, सुरक्षा गार्ड और बाल्जी रॉसी इटैलियन रेस्टोरेंट का एक ग्राहक मारा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अलग-अलग गंभीरता की चोटें आईं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने घटनास्थल पर भारी हथियारों से लैस सुरक्षा अधिकारियों का वीडियो जारी किया। उस इलाके को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था।

मारे गए और घायल लोगों की पहचान नहीं की गई उजागर : अधिकारियों ने मारे गए या घायल हुए लोगों के नाम नहीं बताए और न ही यह बताया कि उनके हिसाब से इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है। यूक्रेन के साथ चार साल से ज्यादा समय से चल रही पूरी लड़ाई के बाद रूस की एफएसबी सिक्योरिटी सर्विस ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कीव पर कई हत्याओं और हत्या की कोशिशों के आरोप लगने के बाद अधिकारी बड़े मिलिट्री अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाएंगे। कोमर्सेंट डेली अखबार ने अपने ही सोर्स का हवाला देते हुए कहा कि बम का मकसद रेस्टोरेंट के समर टेरेस के बाहर मजे कर रहे मेहमानों को घायल करना और मारना था। इससे पता चलता है कि बम किसी और ने दूर से ही फोड़ दिया था और उसे ले जा रही महिला को शायद यह नहीं पता था कि यह एक एक्सप्लोसिव डिवाइस है।

अमेरिका: इडाहो के रेस्तरां में अंधाधुंध गोलीबारी, हमलावर समेत तीन लोगों की मौत; दो घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर से गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां एक एक फास्ट-फूड रेस्तरां में एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में हमलावर समेत कम से कम तीन लोगों की मारे जाने की खबर है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्विन फॉल्स शहर के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। हमलावर ने यहां के फेमस 'इन-एन-आउट बर्गर' रेस्तरां में गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस घटना में मारे गए तीन लोगों में हमलावर शामिल था या नहीं।

गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल : दरअसल, पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो ट्विन फॉल्स शहर स्थित रेस्तरां में जब गोलीबारी हुई तो, वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोगों को गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। इस गोलीबारी में कम से कम लोगों की मौत की खबर है। हालांकि, पुलिस अभी पीड़ितों और मृतकों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटी हुई है।

कम से कम 3 लोगों की मौत : ट्विन फॉल्स शहर के अधिकारी जोश पामर के अनुसार, इस घटना में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि हमलावर को भी मृतकों में गिना गया था या नहीं। स्थानीय मीडिया द्वारा वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में इन-एन-आउट बर्गर के बाहर एक युवक को लंबी बंदूक के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में एक दर्जन से अधिक लोगों को रेस्तरां से बाहर भागते हुए दिखाया गया।

पुलिस ने किया ढेर : इस अचानक हुई भयंकर वारदात की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी घेराबंदी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने उस हथियारबंद हमलावर को बहुत ही शांति से सरेंडर करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उसने लगातार अपनी फायरिंग जारी रखी। इसके बाद लोगों के बचाव में पुलिस द्वारा की गई कड़ी जवाबी कार्रवाई में वह सिरफिरा हमलावर गोली लगने से मौके पर ही मारा गया। सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में वह शख्स रेस्तरां के सामने अत्याधुनिक क्र स्टाइल की राइफल लहराता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वही शख्स पार्किंग लॉट में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाता हुआ बहुत ही साफ तौर पर नजर आ रहा है। गोलीबारी शुरू होते ही शॉपिंग सेंटर के पूरे इलाके में भगदड़ मच गई और डरे हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए बुरी तरह से इधर-उधर भागने लगे। भयंकर गोलीबारी की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स के मुस्तैद पुलिस विभाग ने बहुत ही तेजी के साथ अपनी इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नेपाल हिंसा : धनुषा से हटी निषेधाज्ञा, जनजीवन हो रहा सामान्य

काठमांडू। नेपाल में बीते हफ्ते भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसी कड़ी में, धनुषा जिले के जनकपुरधाम और आसपास के इलाकों में लागू निषेधाज्ञा सोमवार सुबह 5 बजे से हटा दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने और विभिन्न प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा अपने सभी विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने के बाद महत्वपूर्ण फैसला हुआ। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई, इसके बाद जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निषेधाज्ञा हटाने का निर्णय हुआ। गौरतलब है कि लोकल प्रशासन ने 1 अगस्त को क्षेत्र में संभावित तनाव और बिगड़ते हालात को देखकर यह निषेधाज्ञा लागू की थी। अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और लोगों की दैनिक गतिविधियां पहले की तरह शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। हालांकि, सांप्रदायिक हिंसा की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। नेपाल प्रेस काउंसिल ने पाया कि कुछ मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया ने भ्रामक व सांप्रदायिक सामग्री प्रसारित कर हिंसा और तनाव को बढ़ावा दिया। सुनसरी जिले के देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका-3 के कप्तानगंज में पत्रकारिता आचार संहिता के उल्लंघन के 90 ऐसे मामलों की पहचान की गई। यह भी पता चला कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल ने कमाई के लालच में विवादित सामग्री हटाने से इंकार किया था, जिससे धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा। यह पूरा विवाद 26 जुलाई की रात सुनसरी के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच मामूली झड़प के बाद शुरू हुआ था। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। बाद में एक और घायल व्यक्ति की जान चली गई। तनाव सुनसरी से निकलकर सिराहा और जनकपुर तक फैल गया, जिसमें सिराहा में भी हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल मिलाकर तीन लोगों की जान गई। प्रशासन अब ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

पीओके में कत्लेआम की रिपोर्टिंग पर पाबंदी: पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भीषण विरोध प्रदर्शनों और हिंसा की रिपोर्टिंग के बाद, शहबाज शरीफ सरकार ने कथित तौर पर विदेशी मीडिया सहित कई प्रमुख डिजिटल समाचार वेबसाइटों पर रोक लगा दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर पीओके में कत्लेआम मचाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके में प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और बिगड़ते हालात की कवरेज के बाद इन अंतरराष्ट्रीय और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान में एक्सेस नहीं किया जा रहा है। इस शाहबाज सरकार द्वारा अपने नैरेटिव पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह सेंसरशिप कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, विदेशी मीडिया ने ही रिपोर्ट किया था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने की मांग की थी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों से जुड़े चैनल शामिल बताए गए थे। यूट्यूब ने तब 27 कंटेंट क्रिएटर्स को अदालत के निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। इसी बीच, पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसीके जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। समिति ने कुछ वीडियो जारी कर दावा किया है कि मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों ने एक निहत्थे व्यक्ति के साथ मारपीट की और सादे कपड़ों में मौजूद एक व्यक्ति ने प्रदर्शनकारियों की ओर गोली चलाई। जेएएसी ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग कर संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों जैसे ओएचसीएचआर, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, आईसीआरसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मानवाधिकार परिषद पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर के हवाले से दावा किया गया है कि मौजूदा अशांति के दौरान अब तक लगभग 80 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 76 नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीओजेके में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और प्रशासनिक अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समुद्र में 1600 फीट की 'दीवार' बनाएगा स्पेन, मोरक्को से अवैध घुसपैठ के बाद अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। मोरक्को से घुस आए अवैध प्रवासियों के चलते स्पेन में काफी समस्या हुई है। अब स्पेन ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इस्तेमाल करने का फैसला किया है। स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा और पड़ोसी मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबा (1,600 फीट) बैरियर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तटीय इलाके में ताराजल ब्रेकवॉटर के पास एक तैरता हुआ अवरोध लगाया गया था। गौरतलब है कि मोरक्को के साथ लगती स्पेन के सेउटा सीमा पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

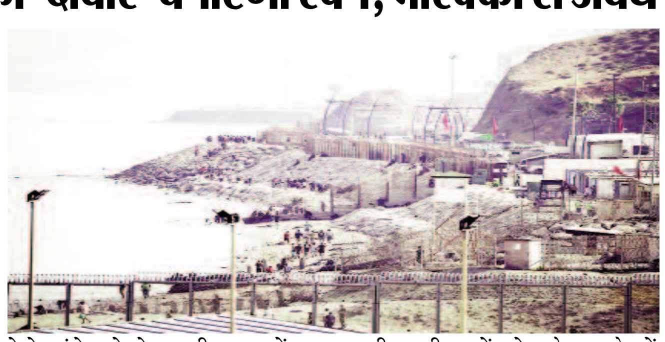

ब्रेकवॉटर बैरियर को पार कर गए : स्पेन सरकार ने कहाकि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सेउटा की घटनाओं पर यूरोपीय संघ के कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि स्पेन को यूरोपीय संघ के सीमा-रहित शेंगेन क्षेत्र से निलंबित करने की मांग पूर्वाग्रह, फर्जी खबरों, अज्ञानता या राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वालों में ज्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को सेउटा में पत्रकारों से कहाकि हम कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। जब यह सवाल पूछा गया कि दोनों तरफ कड़ी सुरक्षा के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सीमा कैसे पार कर पाए और क्या मोरक्को से सेउटा को कोई खतरा है, तो मार्लास्का ने रबात में मौजूद सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहाकि इन घटनाओं का स्पेन और मोरक्को को मिलकर जायजा लेने की जरूरत है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ सहयोग की वजह से ही स्पेन 24 घंटे में हालात को सामान्य कर पाया। उधर, इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रूप से सीमा पर जांच शुरू कर दी है। फ्रांस ने भी अपनी सीमाओं पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सांचेज ने यूरोपीय संघ के गृह मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। करीब 84,000 की आबादी वाले सेउटा शहर पर इस अचानक आए दबाव के कारण स्पेन और पूरे यूरोप में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इटली ने हवाई और समुद्री मार्ग से स्पेन से आने वाले गैर-यूरोपीय संघ के नागरिकों की जांच शुरू कर दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि यूरोपीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत:सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे

नाज्का, एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है।

14 साल से सीनिक फ्लाइट्स ऑर्गनाइज कर रही थी कंपनी : जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, वह पिछले 14 साल से सेसना ग्रैंड कारवां प्लेन का इस्तेमाल करके नाज्का लाइन्स के ऊपर सीनिक फ्लाइट्स (नजारे दिखाने वाली उड़ानें) की सुविधा दे रहे हैं। हादसे की जांच की जा रही है। एरोडियाना ने कोई कमेंट नहीं दिया।

नाज्का लाइन्स क्या हैं : पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं।

इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं।

इन्हें देखने लोग क्यों आते हैं : नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है।

यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है। बेहद शुष्क जलवायु के कारण ये आकृतियां करीब 2,000 साल से सुरक्षित हैं।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।

2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बारिश से बेहाल पाकिस्तान: शहरों में बाढ़ जैसे हालात, बांध टूटे, बिजली ठप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर और अटक समेत कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई शहरों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुस गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और कई जगहों पर सड़कें व छोटे बांध भी टूट गए हैं। मौसम विभाग ने पांच अगस्त तक भारी बारिश, शहरी बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सड़कें बनीं नदी : शुक्रवार तड़के हुई तेज बारिश के बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी के कई इलाके जलमग्न हो गए। मूरी रोड, कचहरी चौक और पेशावर रोड जैसी प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारा काहू इलाके में करीब दो फीट तक पानी भर गया। कई वाहन बीच सड़क में फंस गए और बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकरम अब्बासी ने बताया कि हालात इतने खराब थे कि लोगों को खुद लाउडस्पीकर से बच्चों को घरों के अंदर रहने की अपील करनी पड़ी, जबकि तत्काल कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची।

लेह नाले का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : रावलपिंडी के लेह नाले का जलस्तर बढ़कर करीब 10 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया। बारिश के दौरान कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को और खराब बनाने में अधूरे विकास कार्य भी जिम्मेदार रहे। वॉटर एंड सैनिटेशन एजेंसी की ओर से सैदपुर रोड और असगर मॉल रोड पर की गई खुदाई के कारण सड़कें खतरनाक हो गईं। वहीं, बिजली वितरण कंपनी आईईएससीओ ने सुरक्षा कारणों से कई इलाकों की बिजली काट दी, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं।

अटक में बांध टूटा, कई परिवारों का सब कुछ बर्बाद : अटक जिले के पिंडिघेब कस्बे में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां मल्लाहवाला गंडा कास नाम का छोटा बांध तेज बारिश के कारण ओवरफ्लो हो गया और उसका तटबंध टूट गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कमरियाल और गुंडकास जैसे निचले इलाकों में फैल गया।

स्थानीय लोगों ने क्या-क्या कहा : दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई परिवारों को अपनी छतों पर शरण लेनी पड़ी। किराना दुकानदार मोहम्मद असलम ने बताया कि गंदे पानी के तेज बहाव में उनकी दुकान का अधिकांश सामान खराब हो गया। व्यापारी रशीद महमूद ने कहा कि दुकान में पानी घुसने से ब्रेड, केक, बिस्कुट, रस्क समेत पूरा बेकरी सामान खराब हो गया। फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर और अन्य बिजली के उपकरण भी नुकसान की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी शाज़िया बीबी ने बताया कि उनके घर का फर्नीचर, बिस्तर, कपड़े, घरेलू उपकरण और जरूरी दस्तावेज पानी में खराब हो गए। वहीं, अब्दुल कदीर ने कहा कि घर की दीवारों में नमी आ गई है और उनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेशावर में 120 लोगों को सुरक्षित निकाला गया : पेशावर में शुक्रवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद बुधनी नाला उफान पर आ गया। इसके चलते सरदार कॉलोनी पूरी तरह पानी में डूब गई और वहां रहने वाले लोग घरों में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि 40 बचावकर्मियों और चार वाहनों की मदद से 120 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा वारसाक रोड के खुशहाल बाग इलाके से पांच अन्य लोगों को भी बचाया गया। साफिया होम्स और नासिर बाग रोड पर भी राहत दल भेजे गए, हालांकि वहां लोगों को निकालने की जरूरत नहीं पड़ी।

बीआरटी सेवा बंद, 84 बिजली फीडर ठप : बुधनी ब्रिज पर पानी बढ़ने के बाद पेशावर बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं के कारण पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के 84 बिजली फीडर भी बंद हो गए। इनमें पेशावर के 41, खैबर के 22, मर्दान के 12, स्वाबी के 5 और स्वात के 4 फीडर शामिल हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई जिलों में लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)